जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, मंगलवार 8 सितम्बर, 2026

भाजपा सरकार की नीति और नीयत से बदली राजस्थान की किस्मत

नगर निकाय चुनाव में

कमल खिलाना है

विकास को आगे बढ़ाना है

प्रिय प्रदेशवासियों,

हमारी डबल इंजन की सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का हर शहर आधुनिक सुविधाओं से युक्त, स्वच्छ, सुरक्षित, सुगम और नागरिक-केंद्रित बने। इसी संकल्प के साथ हमारी सरकार ने पिछले 32 महीनों में नगरीय विकास को नई गति देने के लिए निरंतर कार्य किया है।

आपसे अपील है कि भारतीय जनता पार्टी को नगरीय निकायों में विजय दिलाकर हमारी डबल इंजन की सरकार में शहरी सरकार का तीसरा इंजन जोड़ें और ट्रिपल इंजन की सरकार का निर्माण कर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में सहयोगी बनें।

कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान स्थानीय निकायों के कुशासन से आप भली-भांति परिचित हैं। कांग्रेस के कुशासन का दौर गया, अब विकास की बारी है। कुशासन से त्रस्त थे, अब सुशासन का साथ दें।

इसलिए, घर से निकलें, बूथ तक जाएं और भाजपा के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

- मदन राठौड़

- भजनलाल शर्मा

निकाय चुनाव हेतु भाजपा का
संकल्प पत्र पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करें

भाजपा के काम पर मोहर लगाएं
दिनांक 9 / 11 सितंबर को वोट देने जरूर जाएं

कमल का बटन दबाएं
भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ATUL

विचार बिन्दु

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है।–हरिभाऊ उपाध्याय

देश का माहौल बदल रहा है

गत चार माह से देश के सामाजिक और राजनीतिक वातावरण में कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। 10-12 सालों से लगने लगा था कि देश अधिनायकवाद और तानाशाही की ओर धीरे-धीरे अग्रसर हो रहा है । लोग, सरकार की नीतियों के विरुद्ध बोलने में डरने लगे थे । जो कोई भी साहस करके सरकार के विरुद्ध कुछ भी बोलता, चाहे वह स्टैंड अप कॉमेडियन हो, शिक्षा विद हो, साहित्यकार हो या कलाकार ही क्यों न हो, उसकी आवाज को दबाने के लिए सरकार अपनी एजेंसियों को उनके पीछे छोड़ते हुई देखी गई। आई टी, ई डी और सी बी आई इस कार्य में सबसे अग्रणी रहीं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी छवि बन गई कि देश में स्वतंत्र मत को व्यक्त करना कठिन होता जा रहा था। यह सब लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं थे ।

जब सब कुछ निराशाजनक दिखाई दे रहा था, तभी एक छोटी सी घटना ने वातावरण को बदलने की दिशा में पहला कदम उठाया। एक केस की सुनवाई में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने 15 मई, 2026 को युवाओं को कॉकरोच की संज्ञा दे दी। इसी को आधार बनाकर अमेरिका में बैठे अभिजीत दीपके ने 16 मई, 2026 को "कॉकरोच जनता पार्टी" का गठन कर लिया। इसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक सप्ताह में ही दो करोड़ से अधिक फॉलोअर्स बन गए। प्रारंभ में इसे केवल सोशल मीडिया का बुलबुला माना जा रहा था। जब NEET परीक्षा के पेपर लीक होने के प्रकरण ने जोर पकड़ा तो अभिजीत दीपके, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने के लिए 6 जून 2026 को भारत आया और दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रेस को संबोधित किया। कुछ समय देने के बाद भी जब सरकार ने प्रधान का इस्तीफा नहीं लिया तो कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जून से जंतर मंतर पर प्रदर्शन आरम्भ कर दिया। इनमें अधिकांश GenZ अर्थात 14 से 29 वर्ष के युवा थे। इनके समर्थन में प्रख्यात शिक्षा विद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक आमरण अनशन पर बैठ गये। यहां प्रतिदिन सैकड़ों, हजारों की संख्या में लोग देश के कई भागों से पहुंचने लगे। इसे कई संगठनों और राजनैतिक दलों का समर्थन प्राप्त होने लगा।

छात्रों ने सृजनात्मकता का परिचय देते हुए कई नुक्कड़ नाटक किए, गीत बनाए, मीम बनाए जिनमें मंत्रियों, यहां तक कि प्रधानमंत्री पर भी व्यंग्य किए गए। ये सोशल मीडिया पर खूब चले, हालांकि इस बारे में कोई कवरेज मुख्य धारा के मीडिया (जिसे गोदी मीडिया कहा जाता है) द्वारा नहीं किया गया।

मामले में बड़ा मोड तब आया जब 18 जुलाई की सुबह सोनम वांगचुक को बलपूर्वक आमरण अनशन से उठाकर अस्पताल में भरती करा दिया। उल्लेखनीय है कि कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से 20 जुलाई को जंतर मंतर से संसद तक का मार्च निकालने का आव्हान किया गया था। इस दिन पुलिस ने अनशनरत छात्रों पर बहुत बल प्रयोग किया और उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज, आंसू गैस के अलावा 'पेलेट गन' का इस्तेमाल किया गया, हालांकि दिल्ली पुलिस इससे इनकार करती रही। राहुल गांधी एवं कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा इस मुद्दे को मीडिया और संसद में जोर शोर से उठाया गया जिसके कारण संसद नहीं चल पाई। राहुल गांधी द्वारा कई घंटों तक थाने में धरना देने के बाद मजबूरन दिल्ली पुलिस को पेलेट गन संबंधी एफ आई आर दर्ज करनी पड़ी।

जब सरकार को आंदोलन अपने नियंत्रण से बाहर होता दिखा तो सरकार के मंत्रियों ने जे पी नड्डा के नेतृत्व में सी जे पी के नेताओं के साथ वार्ता के बाद एक समझौता 25 जुलाई 2026 को किया। इसके द्वारा धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात मानी गई, आंदोलनकारियों पर कोई मुकदमा नहीं करने का आश्वासन दिया गया और दर्ज सभी एफ आई आर को वापस लेने की बात की गई। साथ ही, जिन परिवारों के बच्चों ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के कारण आत्महत्या की, उनको मुआवजा देने के प्रश्न पर भी समझौता हुआ।

समझौते के अनुसार धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तो तुरंत करवा लिया गया, किंतु अन्य दो मांगों पर विशेष कार्रवाई नहीं हुई तो मामला फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने स्पष्ट फैसले में, संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए सभी एफ आई आर निरस्त करने के आदेश दिए। यह आदेश देश के सभी राज्यों पर लागू किया गया।

कॉकरोच जनता पार्टी के अधिकांश आंदोलनकारी छात्र 'जैन जी' की परिभाषा में आते हैं। इसी प्रदर्शन के दौरान निशु आजाद नाम की 15 वर्षीय दलित छात्रा के पिता संजय कुमार का सिर स्वतंत्र भारद्वाज नामक व्यक्ति ने अपने कड़े के वार से फोड़ दिया था, जिससे, उसके टांके आए। इसके बावजूद पुलिस ने हल्की धाराओं में एफ आई आर दर्ज की और वह कई दिन तक खुला घूमता रहा और शेखी बघारता रहा। न केवल यह, इस घटना के बाद उसने एक पॉडकास्ट में इस सारी घटना को स्वीकार भी किया और कहा कि उसने 'हाफ मर्डर' कर दिया, फिर भी उसके विरुद्ध किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने की हिम्मत दिल्ली पुलिस नहीं कर सकी, क्योंकि उसके निकट संपर्क केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा के अन्य बड़े-बड़े लोगों से हैं। उसका यह वीडियो पूरे सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस प्रकरण में भी कॉकरोच जनता पार्टी ने थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और स्वतंत्र भारद्वाज पर एससी एसटी एक्ट और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज़ करके उसे गिरफ्तार करने की मांग की गई। युवा लोगों के बढ़ते आक्रोश के कारण यहां भी अंततः पुलिस को स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार करना पड़ा और उस पर वे सभी धाराएं लगाई गईं, जिनकी सी जे पी मांग कर रही थी।

कुल मिलाकर, गत कुछ समय में जो घटनाएं घटी हैं, उनसे नागरिकों में सरकार से जवाबदेही मांगने की प्रवृत्ति और साहस दोनों में वृद्धि हुई है। जब जवाबदेही सुनिश्चित हो जाएगी तो शासन व्यवस्था में अपने आप सुधार आ जाएगा और वह आम नागरिक के लिए काम करने के लिए मजबूर हो जाएगा। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए।

इन सारी घटनाओं ने एक बात स्पष्ट कर दी कि सरकार के विरुद्ध बोलने का साहस यदि कोई करे, तो सरकार को भी अंततः झुकना ही पड़ता है। प्रधानमंत्री तक को जेन ज़ी को संबोधित करते हुए कई सेल्फी वाले वीडियो बनाकर रील के रूप में जारी करने पड़े।

इस संदर्भ में एक और प्रकरण का उल्लेख करना उपयुक्त होगा । अप्रैल 2026 में नोएडा में मजदूरों के आंदोलन का समर्थन करने वाली जे एन यू की छात्रा आकृति चौधरी को पुलिस ने कई धाराओं में हिंसा फैलाने के आरोप लगाते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं, उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी लागू कर दिया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत किसी को जमानत भी नहीं मिल सकती है।

यह प्रकरण जब इलाहाबाद हाईकोर्ट में गया तो वहां के न्यायाधीश अतुल श्रीधरन और अचल सचदेव की खंड पीठ ने एन एस ए की कार्यवाही को एकदम मनमाना और अस्पष्ट मानते हुए रद्द कर दिया। यही नहीं, गलत हिरासत में रखने के लिए आकृति चौधरी को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश भी दिया। जुर्माने की यह राशि नोएडा की जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम और अन्य अधिकारियों के वेतन से वसूल करने के आदेश दिये। यह उल्लेखनीय है कि मेधा रूपम के पिता ज्ञानेश कुमार गुप्ता, वर्तमान में मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। अतुल श्रीधरन वही न्यायाधीश हैं जिन्होंने मध्य प्रदेश में वहां के मंत्री विजय शाह के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के आदेश तब दिए थे जब विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताया था। इस आदेश के तुरंत बाद इनका स्थानांतरण मध्यप्रदेश से इलाहाबाद न्यायालय में कर दिया गया।

इन घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो गया है कि नागरिकों ने स्वयं को गुलाम या प्रजा मानने के स्थान पर, वास्तव में नागरिक समझना प्रारंभ कर दिया है। वे सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस दिखाने लगे हैं। इस प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने का काम कुछ निष्पक्ष और साहसी न्यायाधीशों ने अपने निर्णयों से किया है। स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं, यदि उनसे अपेक्षित कार्य करें, तो आम नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सरकार का विरोध करने के अधिकार से उन्हें कोई वंचित नहीं कर सकता। बस, केवल कुछ साहस की जरूरत थी, जो कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से लोगों में उत्पन्न होने लगा है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवार को मुआवजा दिलाना कॉकरोच जनता पार्टी की बड़ी उपलब्धि नहीं है। किंतु एक काम जो बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण हुआ है, वह, यह कि कॉकरोच जनता पार्टी के दिल्ली में जंतर मंतर के प्रदर्शन के बाद, पूरे देश में युवा छात्र और बच्चे तक जिन्हें 'जेन अल्फा' कहा गया है, स्कूल की खराब स्थिति के बारे में खुलेआम बोलने लगे हैं और आंदोलन करने लगे हैं। कई स्थानों पर इसके कारण प्रशासन पर दबाव पड़ा और उन्होंने तुरत फुरत में जर्जर स्कूलों को गिराकर उनके स्थान पर नए स्कूल या कमरे बनाने के लिए न केवल राशि स्वीकृत की, बल्कि उसका काम भी प्रारंभ करवाया। इसी संदर्भ में, पाठकों के लिए यह जानना उपयुक्त होगा कि अभिजीत दीपके ने 15 अगस्त, 2026 से स्कूल ठीक करो अभियान चलाया है। इसके अंतर्गत कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता देश के अलग-अलग भागों में अपने आसपास के सरकारी स्कूलों की स्थिति को देख रहे हैं और उसके बारे में वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से जनता को अवगत करा रहे हैं।

राजस्थान के रामपुरा-कंवरपुरा स्कूल, जो भैंस के तबेले में चल रहा था, वहां सी जे पी के आशुतोष रांका ने जाकर वीडियो बनाने का प्रयास किया तो असामाजिक तत्वों द्वारा उनके साथ मारपीट की गई। इसके बावजूद प्रशासन को इसका संज्ञान लेना पड़ा और स्कूल को तुड़वाकर उसके स्थान पर नया स्कूल बनवाना प्रारंभ किया गया है। ऐसी स्थिति कई जगह सामने आई है जहां बच्चों के और युवाओं के दबाव में सरकार को स्कूलों से संबंधित काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

नागरिकों में सरकार विरोध का अनावश्यक डर निकल जाना एक बहुत बड़ी घटना है, जिसका दूरगामी प्रभाव होगा। कॉकरोच जनता पार्टी, एक नेतृत्व करने वाले ग्रुप के रूप में उभरी है। उन्हें केवल यह संयम बरतना होगा कि वह चुनावी राजनीति में न आए वरना उसका भी वही हश्र होगा जो आम आदमी पार्टी का हुआ।

सरकार को भी यह चाहिए कि वह विभिन्न विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देने का काम करें। वर्तमान में तो स्थिति यहां तक हो गई है कि कोई विश्वविद्यालय यदि किसी ऐसे व्यक्ति को वक्ता रूप में बुला ले जो सरकार की नीति की आलोचना करता हो, तो संभव है, उसकी अनुमति ही नहीं मिले और मिल जाए तो उसे भी निरस्त कर दिया जाए ।

छात्रों की ताकत कितनी है, इसका एक नमूना हैदराबाद के विधि विश्वविद्यालय NALSAR के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया, जब उन्होंने विश्विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट कर दिया कि वे भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत से डिग्री नहीं लेंगे और कन्वोकेशन में उन्हें नहीं बुलाया जाए। छात्रों के विरोध के बाद कन्वोकेशन निरस्त कर दिया गया और उन्हे डिग्री वैसे ही दे दी गई। जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने आंदोलनकारी छात्रों का पंजीकरण, बार काउंसिल में नहीं करने का आदेश जारी किया तो उसे दो घंटे में ही वापस लेना पड़ा।

इन सारी घटनाओं से यह लगता है कि लोगों में अपनी बात कहने की हिम्मत आई है q और यह भी उन्हें एहसास हो गया है कि यदि वे अपनी बात मनवाने के लिए अहिंसक आंदोलन करेंगे तो सरकार को उनकी बात को मानना पड़ सकता है।

कुल मिलाकर, गत कुछ समय में जो घटनाएं घटी हैं, उनसे नागरिकों में सरकार से जवाबदेही मांगने की प्रवृत्ति और साहस दोनों में वृद्धि हुई है। जब जवाबदेही सुनिश्चित हो जाएगी तो शासन व्यवस्था में अपने आप सुधार आ जाएगा और वह आम नागरिक के लिए काम करने के लिए मजबूर हो जाएगा। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। हमें इसका स्वागत करना चाहिए। आगे क्या होगा, चुनाव में क्या होगा, यह तो समय बताएगा। फिलहाल हम इतना तो कह ही सकते हैं कि देश का माहौल बदल रहा है।यह बदलाव किस रूप में किस सीमा तक होगा, इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

80 दिन की आचार संहिता और बदलती चुनावी संस्कृति: राजस्थान ने दिखाई नई राह

अलका सक्सेना

लोकतंत्र में चुनाव जनभागीदारी और लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का सबसे महत्वपूर्ण पर्व हैं। लेकिन चुनावों की प्रक्रिया यदि लगातार चलती रहे और उसका प्रभाव महीनों तक शासन-प्रशासन की सामान्य कार्यप्रणाली पर बना रहे तो उसका सीधा असर विकास की गति पर पड़ता है। राजस्थान जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध राज्य में यह चुनौती और भी बड़ी है। ऐसे में स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को एक समन्वित प्रक्रिया के रूप में आगे बढ़ाने का निर्णय केवल चुनावी प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में इस बार स्थानीय लोकतंत्र के इतने बड़े चुनावी दायरे को सीमित अवधि में समेटने का प्रयास हुआ है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि करीब 80 दिन की आचार संहिता की अवधि में 309 स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं के चुनावी दायित्व को पूरा करने की दिशा में राज्य आगे बढ़ रहा है। इन 309 नगरीय निकायों में 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाएं शामिल हैं तथा 10,245 पार्षद पदों पर चुनाव होना है। साथ ही 41 जिला परिषदों, 457 पंचायत समितियों और 14,403 ग्राम पंचायतों में भी चुनाव हैं।

पिछली बार स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों की प्रक्रिया लगभग 15 महीने तक अलग-अलग चरणों और अलग-अलग समय में चलती रही। इसका अर्थ केवल इतना नहीं था कि राजनीतिक दल लंबे समय तक चुनावी मोड में रहे। इसका बड़ा प्रभाव शासन-प्रशासन पर भी पड़ा। जब चुनाव लगातार अलग-अलग संस्थाओं के लिए होते रहें तो आचार संहिता भी बार-बार लागू होती है या लंबे समय तक प्रभावी रहती है। नई योजनाओं, नीतिगत निर्णयों, विकास कार्यों और प्रशासनिक निर्णयों की गति स्वाभाविक रूप से प्रभावित होती है। यही वह बिंदु है जहां राजस्थान की वर्तमान चुनावी व्यवस्था को प्रशासनिक सुधार के नजरिए से देखने की आवश्यकता है।

किसी भी सरकार के लिए पांच वर्ष का कार्यकाल सुनने में लंबा लगता है, लेकिन यदि स्थानीय निकाय, पंचायत, विधानसभा और अन्य चुनाव अलग-अलग समय पर लगातार सामने आते रहें तो वास्तविक शासन अवधि लगातार कम होती जाती है। चुनाव की घोषणा से लेकर परिणाम और उसके बाद राजनीतिक गतिविधियों तक सरकार और प्रशासन का एक बड़ा हिस्सा चुनावी व्यवस्थाओं में व्यस्त रहता है।

आचार संहिता लोकतांत्रिक निष्पक्षता के लिए आवश्यक है। उसके प्रावधानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल या सरकार को अनुचित लाभ से रोकना है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि इसके दौरान नए कार्यों और नीतिगत निर्णयों पर स्वाभाविक रूप से सीमाएं लगती हैं। इसलिए लोकतंत्र की शुचिता और प्रशासन की निरंतरता के बीच संतुलन आवश्यक है। राजस्थान में इस बार चुनावों को अपेक्षाकृत कम समय में संपन्न कराने का प्रयास इसी संतुलन की दिशा में दिखाई देता है। चुनावी प्रक्रिया जितनी समयबद्ध होगी, उतनी ही जल्दी प्रशासन सामान्य कार्यप्रणाली में लौट सकेगा और निर्वाचित स्थानीय संस्थाएं भी अपने दायित्व संभाल सकेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से चुनावी प्रक्रिया को अधिक समन्वित और कम विखंडित करने की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका व्यापक विचार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दिशा में चुनावी चक्र को समन्वित करने का है। इसी सोच की राज्य स्तर पर व्यावहारिक अभिव्यक्ति के रूप में राजस्थान में स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों को एक समन्वित चुनावी प्रक्रिया में आगे बढ़ाने की पहल महत्वपूर्ण हो जाती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चुनावों को एक साथ कराने का जो संकल्प व्यक्त किया था, उसे धरातल पर उतारने की दिशा में यह कदम उनकी राजनीतिक प्रतिबद्धता के साथ-साथ प्रशासनिक सोच को भी दर्शाता है। हाल में मुख्यमंत्री ने स्वयं 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' को सरकार की उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया है। यहां असली महत्व उस सोच का है जिसमें चुनावों को बार-बार होने वाली अलग-अलग प्रशासनिक कवायद के बजाय एक समन्वित प्रक्रिया में बदलने की कोशिश की जा रही है। राजस्थान का विकास एजेंडा व्यापक है। सड़क, पानी, बिजली, नगरीय आधारभूत ढांचा, ग्रामीण विकास, रोजगार, पर्यटन, औद्योगिक निवेश और सामाजिक कल्याण सहित हर क्षेत्र में निरंतर निर्णय और क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

यदि प्रशासन लंबे समय तक चुनावी दायित्वों में उलझा रहे तो इसका असर केवल सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं रहता।पुलिस-प्रशासन, राजस्व तंत्र, स्थानीय निकाय, पंचायतें और अन्य विभाग चुनावी प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर लगाए जाते हैं। अधिकारी और कर्मचारी चुनावी जिम्मेदारियां निभाते हैं, संसाधन चुनाव प्रबंधन में लगते हैं और विकास कार्यों की प्राथमिकताएं भी कई बार प्रभावित होती हैं।

इसलिए चुनावों का कम समय में पूरा होना सरकार के लिए 'काम करने की अधिक अवधि' उपलब्ध कराता है। यह उन अतिरिक्त दिनों का अंतर है जिनमें सड़क बन सकती है, परियोजना आगे बढ़ सकती है, निवेश प्रस्ताव पर निर्णय हो सकता है, प्रशासनिक सुधार लागू हो सकता है और जनता से जुड़े किसी काम को गति मिल सकती है।

समयबद्ध चुनावों का लाभ केवल सरकार और प्रशासन को नहीं, बल्कि स्थानीय लोकतंत्र को भी मिलता है। नगर निकाय और पंचायती राज संस्थाएं आम नागरिक के सबसे करीब की लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। सड़क, नाली, सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्थानीय विकास और ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं जैसे अनेक विषय सीधे इन्हीं संस्थाओं से जुड़े होते हैं।

इसलिए इन संस्थाओं का समय पर गठन लोकतांत्रिक जवाबदेही के लिए आवश्यक है। चुनाव जितनी जल्दी पूरे होंगे, निर्वाचित प्रतिनिधि उतनी जल्दी अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे और स्थानीय विकास की प्राथमिकताओं पर काम शुरू कर सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 309 नगरीय निकायों में चुनाव दो चरणों में कराए जा रहे हैं। यह व्यापक चुनावी कवायद अपने आप में प्रशासनिक समन्वय की बड़ी परीक्षा है। इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव भी है। लंबे समय तक चुनाव चलते रहने से राजनीतिक दलों की ऊर्जा लगातार चुनावी गतिविधियों में लगी रहती है। कार्यकर्ता, संगठन और नेतृत्व लगातार एक चुनाव से दूसरे चुनाव की तैयारी में जुटे रहते हैं।

यदि स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनाव अपेक्षाकृत कम समय में संपन्न हो जाते हैं तो राजनीतिक दलों को भी अपना ध्यान व्यापक संगठनात्मक और नीतिगत कार्यों पर लगाने का अवसर मिलेगा। चुनाव लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा हैं, लेकिन लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं है। जनता के बीच लगातार उपस्थित रहना, सरकारों के काम का मूल्यांकन करना, संगठन को मजबूत करना और नीतियों पर संवाद करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि किसी भी चुनावी सुधार की सफलता का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि चुनाव कितनी जल्दी हुए। असली कसौटी यह होगी कि चुनाव के बाद निर्वाचित संस्थाएं कितनी प्रभावी ढंग से काम करती हैं और सरकार इस अतिरिक्त प्रशासनिक समय का कितना बेहतर उपयोग करती है।

यदि कम अवधि की आचार संहिता के बाद प्रशासनिक निर्णयों में तेजी आती है, विकास परियोजनाओं की गति बढ़ती है और स्थानीय संस्थाएं समयबद्ध तरीके से अपने दायित्व निभाती हैं, तो यह प्रयोग निश्चित रूप से एक सकारात्मक प्रशासनिक मॉडल बन सकता है।

राजस्थान जैसे बड़े राज्य में चुनावी प्रक्रिया को समयबद्ध करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में विकास की आवश्यकताएं व्यापक हैं। सरकार के पास जितना अधिक निर्बाध कार्यकाल होगा, परिणाम देने की अपेक्षा उतनी ही अधिक होगी।

अंततः यह पहल किसी एक दल की जीत या हार से कहीं बड़ी है। चुनाव आएंगे और जाएंगे, राजनीतिक दल सत्ता और विपक्ष की भूमिका में आते-जाते रहेंगे। लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और चुनावी चक्र को अधिक व्यवस्थित बनाना दीर्घकालीन लोकतांत्रिक हित में है।

राजस्थान में करीब 80 दिनों के सीमित चुनावी दौर में 309 स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं की चुनावी प्रक्रिया को आगे बढ़ाना उस दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। पिछली बार लगभग 15 महीने तक चलने वाली चुनावी प्रक्रिया के अनुभव के मुकाबले यह बदलाव बताता है कि चुनावों को शासन की निरंतरता से जोड़कर देखने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक चुनावी सुधार की सोच और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'एक साथ चुनाव' के संकल्प के बीच राजस्थान का यह प्रयोग इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसका लक्ष्य अंततः शासन के लिए अधिक निर्बाध समय उपलब्ध कराना है।

लोकतंत्र की ताकत चुनाव से आती है, लेकिन सुशासन की ताकत चुनावों के बीच किए गए काम से तय होती है। यदि राजस्थान चुनावी प्रक्रिया को समयबद्ध करके प्रशासन को अधिक कार्यशील समय दे पाता है, तो यह उस राजनीतिक संस्कृति की शुरुआत हो सकती है जिसमें चुनाव समय पर हों और सरकार का अधिकतम समय जनसेवा और विकास के लिए हो।

–अलका सक्सेना,
अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क
(सेनि.)

माखन बनाम मक्खन

वीर बहादुर सिंह

भगवान श्री कृष्ण जन्मअष्ठमी का उत्सव आया तो बालस्वरूप भगवान् श्री कृष्ण के प्रिय माखन की याद हो आई और आती भी क्यों नहीं स्वयं जो ठहरा डेरी विशेषज्ञ। वैसे तो मैनें चालीस वर्षों तक अठारह वर्ष से अधिक के छात्रों को डेरी विषय बड़े परिश्रम और लगन से पढ़ाया फिर भी मैं समझता हूँ कतिपय ही मेरी विषय वस्तु के मूल तक पहुंचे हों? ऐसा इसलिए कि छात्र भी वर्तमान में कहीं अधिक चूजी हो गए हैं वे वही याद रखने का यत्न करते हैं जिसकी परीक्षा में पूछे जाने की सम्भावना अधिक होती है। प्रत्युत माखन चूँकि ग्रह उद्योग के स्तर पर अधिकाँश ग्रामीण घरों में ही बनता है उसकी व्यापारिक तौर पर महत्ता फैक्ट्री में बने मक्खन से कम ही आंकी जाती है। वहीं माखन बेचने के लिए कोई संगठित व्यवस्था भी नहीं है, कारण माखन देसी विधि से घी बनाने के लिए एक इंटरमीडिएट पदार्थ है जब की फैक्ट्री में निर्मित मक्खन उसी रूप में बिकता है और खाया भी जाता है। जैसा पूर्व में मैने कहा माखन का निर्माण बहुत ही छोटे स्तर पर होता है और वो भी केवल देसी घी बनाने की प्रक्रिया में एक बीच का स्टेप। तो यह तो रहा दोनों दुग्ध पदार्थों में अंतर जो मूलतः बनाने की विधि तक ही सीमित है हालांकि दोनों पदार्थों के निर्माण से सम्बंधित और भी अनेक कारण रहे होंगे और अभी भी हैं।

लेकिन महत्वपूर्ण बात तो ये है कि हमारे बाल स्वरुप भगवान को माखन इतना प्रिय क्यों था कि माँ यशोदा को एक मटकी में भर कर ऊंचे से छींके पर टांग कर रखना पड़ता था इसमें यध्यपि अन्य जानवरों आदि से सुरक्षा भी कारण रहे होंगे। वह एक अलग पहलू है। भले ही माँ सुरक्षा की दृष्टि से माखन को टांग कर रखती हो लेकिन कृष्ण जी तो किसी भी उपाय से उस छीके तक पहुँच माखन खुद भी लपकते और अपने मित्रों को भी सहभागी बना लेते ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। ये सभी शब्द जो मैनें कहे एक बाल सुलभ शैतानिओं या लीलाओं को ही दर्शाते हैं, इससे अलग कुछ भी नहीं।

अब बात करते हैं इन दोनों दुग्ध पदार्थों के भौतिक, रासायनिक और पोषण गुणों की, ऐसा करते समय लेखक का प्रयास होगा माखन पर अपेक्षाकृत अधिक बल जिस पर लोगों का ध्यान कम ही गया है और जिसे लिखा व प्रकाशित भी कम किया गया है। जैसा मैनें बताया कि माखन छोटे स्तर पर अथवा यों कहें ग्रामीण परिवेश के किसान परिवारों में बहुधा घर की कोई महिला बनाती है। श्री कृष्ण की मां यसोदा भी माखन खुद ही बनाती थी ऐसा करते समय कृष्ण जी बहुधा निकट ही कही होते तो मां उस नवीन माखन का एक कौर लल्ला को खिला देती। लल्ला जब और देने की जिद्द करता तो मां नहीं देती। जानती थी अधिक मात्रा हानि कारक हो सकती है। इस परिदृश्य में फिर भक्त सुदामा कृष्ण के पक्ष में बोल पड़ते हैं "मैया कबहि बढ़ेगी छोटी, और मैया मैं नहीं माखन खायो, मैया ग्वालबाल सब बरवस मुख लिपटायो" आदि-आदि।

...और भी बहुत कुछ। यहाँ मैं पाठकों को बता दूँ कि यह माखन शायद श्रीकृष्ण के काल से पूर्व भी भारत देश में घर-घर में बनता था। और इसी से देसी घी बनाने की विधा पनपी। यह घी आहार के साथ तो खाया ही जाता था इसका एक बड़ा हिस्सा यज्ञ में आहुति देने में प्रयुक्त होता। यह आज भी वैसा ही चलन में है। माखन के निर्माण में दूध कभी उबाला नहीं जाता अपितु बरोसी (चिकनी मिट्टी, कुछ पिली मिट्टी - पोता, को गूथकर एक गहरी थालीनुमा चुलेह का बनाकर धुप में सूखा लिया जाता है। सुखाने पर इसके अंदर गोबर से बनें सूखे उपले जलाकर दूध को एक कुम्हार की बानी हांडी में भरकर गर्म किया जाता है जो कब ही उबलता नहीं अपितु उबलने के ताप से नीचे ही कई घंटे तक छोड़ दिया जाता है। इस क्रिया को वैज्ञानिक भाषा में सिमरिंग कहते हैं। इस क्रिया में दूध के हानिकारक जीवाणु तो नष्ट हो जाते हैं साथ ही दूध के अवयवों से कुछ विशेष तत्व भी पैदा हो जाते हैं। दिन भर सिम्मर किया हुआ दूध ठंडा कर रात को जामन (पूर्व दिवस के दही का एक दो चम्मच) कुछ ठंडी जगह रख दिया जाता है जो भोर तक दही में बदल जाता है। गृहणियां इसी दही को एक नित काम में आने वाले मटके में लेकर लकड़ी की बनी रई (मथनी) से एक छोटी से रस्सी से मटकी के अंदर दही को हाथों से मथा जाता है। कुछ मिनट मथने पर माखन दही दे अलग होता प्रतीत होने लगता है और एक दो मिनट बाद ही माखन का एक लोथ प्राप्त कर लिया जाता है। दो दिन से लेकर पांच-छः दिन का माखन इकठा कर लोहे की कड़ाही में धीमी आंच पर घी में बदल दिया जाता है।

चूँकि मेरा आशय माखन तक ही सीमित है उससे बने घी आदि के बारे में फिर कभी पाठकों को बताऊंगा। तो फिर माखन पर आ जाते हैं, जिसकी निर्माण बिधि आपने पढ़ ली। अब यह भी जान लीजिये कि यह माखन किन किन गुणों में फैक्ट्री में बनें मक्खन से श्रेष्ठ है। देसी विधि से बनें माखन के निर्माण में कोई भी उपकरण फैक्ट्री में नहीं बनता, इसकी विधि में भी गोबर के उपलों के जलने पर प्राप्त ऊर्जा ही काम आती है किसी बायलर, हीटर, स्वचालित मथनी आदि की जरुरत नहीं पड़ती सब कुछ घरेलु सत्तर ग्रामीण परिवेश में सुलभ हो जाता है। देसी माखन में वसा अपेक्षाकृत कम होती है तो पाचन और पोषण में हानिप्रद नहीं है। और सबसे ऊपर छाछ जो प्राप्त होती है उसे विदेशी भले ही उपपदार्थ कहें लेखक के विचार में यह भी एक मुख्य दुग्ध पदार्थ है जिसे गाँव के हर किसान घर में हर सदस्य द्वारा विभिन्न प्रकार से खाया जाता है। इस छाछ में फोस्फो लिपिड्स प्रचुर मात्रा में विध्यमान रहते है जो शरीर के नाड़ी या नर्व प्रणाली के लिए उत्तम है साथ ही पाचन प्रणाली को ठंडक देकर भूंख शांत करने का आभास दिलाती है, और अनेक खनिज और विटामिन से परिपूर्ण होकर पाचन प्रणाली में प्रोबिओटिक जीवाणुओं को स्थापित तो करती ही है अनेक हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट भी कर देती है।

छाछ पीने वालों के शरीर में कभी मोटापा नहीं आता और न कोलेस्ट्रॉल से उपजे हृदय रोग उत्पन्न होते हैं। प्रोबिओटिक, लैक्टिक अम्ल, अन्य पेप्टाइड और कम वसा ऐसे गुण हैं जिनकी बरावरी कोई खाद्य नहीं कर सकता। इलाहाबाद कृषि संस्थान में एक अमेरिकन जेम्स वार्नर कार्यरत थे उन्होंने डैरीइंग इन इंडिया शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित की थी। उस समय वे अपने को बहुत काबिल डेरी टीचर मानते थे, उस पुस्तक में उन्होंने देसी घी और उसके निर्माण के संबंधध में अनेक बुराइयां लिखी। दुर्भाग्य ये था तब डेरी शिक्षा व् अनुसन्धान के क्षेत्र में कई विशेषज्ञ देश में थे किसी ने भी उस

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 308 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 8 सितम्बर, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जर्मनी के चुनाव में ''नैशनलिज़्म'' की पुरजोर ढंग से वापसी ने सभी को चौंका दिया है

अब तक, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जर्मनी की राजनीति यहूदियों पर हुए अत्याचार से उत्पन्न देशव्यापी ग्लानि पर आधारित रहती थी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। क्या इतिहास, यानी किसी समुदाय की सामूहिक याद के तौर पर, आज के चुनाव में कोई भूमिका निभाता है? हां, जर्मनी में पिछले रविवार हुए एक महत्वपूर्ण चुनाव के नतीजों को देखकर ऐसा कहा जा सकता है।

एक कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी, अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी, यानी एएफडी ने देश के एक राज्य में हुए चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इस जीत से पूरे यूरोपीय संघ में चिंता की लहर दौड़ गई है और रूस में खुशी की प्रतिक्रिया देखने को मिली है। इसकी लहरें अटलांटिक पार अमेरिका तक पहुंच गई है और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर चुनाव के नतीजों का जिक्र किया है।

यूरोप हैरान है और इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि क्या यह जर्मन राष्ट्रवाद के फिर से उभरने की एक छोटी सी शुरुआत है। हो सकता है कि नाज़ी दौर के अनुभव के कारण यूरोप अब भी एक तरह की मानसिक बेचैनी से गुजर रहा हो।

- **पर, वर्तमान चुनाव में राजनीति का आधार ग्लानि को पीछे छोड़कर जर्मनी के अन्य समृद्ध इतिहास की ओर मुड़ा है।**
- **ऐसा लग रहा है, हिटलर की ज्यादतियों की याददाश्त को धूमिल कर जर्मनवासी बिस्मार्क की ओर देख रहे हैं।**
- **इस मानसिक बदलाव में, जर्मनीवासी अपने देश को ''एक विचारकों व कवियों'' के देश के रूप में जानना व याद रखना चाहता हैं।**
- **चाहे, आधुनिक जर्मनी, अधिक समृद्ध है। पर, नई पीढ़ी शायद कुछ कम समृद्धि बर्दाश्त करने को तैयार है, पर, अपनी ''जर्मननैस'' (जर्मनत्व) को बरकरार रखने में ज्यादा खुशी महसूस करना चाहती है।**

एएफडी ने रविवार को अपने सबसे नए प्रतिद्वंद्वी कंज़र्वेटिव क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी, यानी सीडीयू पर जोरदार चुनावी जीत हासिल की है, जो अपने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी पार्टनर, एसपीडी के साथ गठबंधन में फैडरल लैवल पर शासन करती है।

एएफडी जर्मनी को हिटलर के जर्मनी के बजाय, ओटो फॉन बिस्मार्क के जर्मनी के तौर पर देखने को बढ़ावा दे रही है। वह उन्नीसवीं सदी के जर्मनी और जर्मनी एकता के इतिहास को पढ़ाने की बात कर रही है, जिसमें हिटलर के शासन और राष्ट्रीय समाजवाद, उत्पीड़न और युद्ध की किसी भी गलती को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।

बिस्मार्क ने अनेक छोटे राज्यों और रियासतों को एकजुट करके उस देश की नींव रखी, जो बाद में बीसवीं सदी में जर्मनी बना। पार्टी ''ज्यादा बिस्मार्क और कम हिटलर'' की बात कर रही है।

नाज़ी शासन को उसके अत्याचारों से बरी नहीं करते हुए, एएफडी उन लोगों की भावनाओं को सामने रख रही है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पैदा हुए हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छह विधानसभा व एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को

नई दिल्ली, 07 सितंबर। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों तथा असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराने का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इन छह सीटों पर मतदान छह अक्टूबर को होगा, जबकि मतगणना नौ अक्टूबर को की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी।

- **मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।**

आयोग के अनुसार, तमिलनाडु की मदुरांतकम (अनुसूचित जाति) और धारापुरम (अनुसूचित जाति) विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। पुदुचेरी की थट्टानचावडी विधानसभा सीट तथा पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर भी मतदान कराया जाएगा। इसके अलावा असम की नगांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव होगा। इन सभी सीटों पर रिक्तियां संबंधित निर्वाचित सदस्यों के इस्तीफे के कारण हुई हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की अधिसूचना नौ सितंबर को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है। नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। मतदान छह अक्टूबर और मतगणना नौ अक्टूबर को होगी।

'लगता है आप मेरे रिटायरमैंट का इंतजार कर रहे हैं, ''डेट-पर-डेट'' मांग कर'

सुप्रीम कोर्ट ने ''हाई पावर्ड'' कमेटी की, रिपोर्ट देने के लिए लंबी तारीख की अर्ज़ी ठुकराई और तीस नवंबर को रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को सवाल उठाया कि क्या अरावली की पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक समान परिभाषा तय करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाई पावर्ड कमेटी उनके रिटायरमेंट का इंतजार कर रही है। अदालत ने समिति की, छह महीने का अतिरिक्त समय देने की मांग ठुकराते हुए उसे 30 नवंबर तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

सीजेआई ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, ''उन्हें सीधे ही मेरे रिटायरमेंट के बाद की तारीख मांगनी चाहिए थी... ऐसा लगता है कि वे मेरे रिटायरमेंट का इंतजार कर रहे हैं। हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। सीजेआई सूर्यकांत 9 फरवरी 2027 को अपने पद से सेवानिवृत्त होंगे।

सीजेआई की अध्यक्षता वाली बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे, ने अपने आदेश में कहा, उच्चस्तरीय समिति ने पहली ही बार में 28 फरवरी 2027 तक समय बढ़ाने की मांग की है। हम इस मांग को खारिज करते हैं। उच्चस्तरीय समिति को दिन-रात काम करने और 30 नवंबर 2026 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया जाता है। हम स्पष्ट करते हैं कि इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा।''

- **जैसा कि विदित ही है, अरावली पर्वत श्रृंखला को चिह्नित व परिभाषित करने के लिए, एक हाई-पावर्ड कमेटी गठित की गई है, जिसे किन्हीं कारणों से अपनी फाइनल रिपोर्ट पेश करने में काफी हिचकिचाहट हो रही है।**

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अरावली की नई परिभाषा तय करने का काम सुप्रीम कोर्ट ने तब शुरू कराया था, जब उसने नवंबर 2025 के अपने ही उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें एक विवादित परिभाषा को स्वीकार किया गया था। पर्यावरणविदों को आशंका थी कि इस परिभाषा के कारण, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील अरावली क्षेत्र का बड़ा हिस्सा खनन के लिए असुरक्षित हो सकता है।

केन्द्र द्वारा पहले गठित समिति ने प्रस्ताव दिया था कि अरावली जिलों में स्थानीय भू-स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली किसी भू-आकृति को अरावली पहाड़ी माना जाएगा। ऐसी दो या उससे अधिक पहाड़ियां, जो एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर होंगी, अरावली पर्वतमाला का हिस्सा मानी जाएंगी।

इस परिभाषा को लेकर चिंता जताई गई थी कि केवल ऊंचाई के आधार पर तय किए गए इस मानदंड से अनेक छोटी पहाड़ियां और टीले अरावली पर्वतमाला से बाहर हो सकते हैं, जो व्यापक पारिस्थितिक क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसके बाद, सुप्रीम कोर्ट ने इस विवाद का स्वतः संज्ञान लिया और 29 दिसंबर 2025 को अपने पहले के आदेश को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने राज्यों के प्रभारी क्यों बदले?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। कांग्रेस में 5 सितंबर को हुए संगठनात्मक फेरबदल में केवल छह राज्यों को शामिल किया गया है, लेकिन प्रभारियों के चयन से पार्टी के अंदर नेताओं की स्थिति के बारे में काफी कुछ पता चलता है। छह राज्यों के प्रभारियों को बदलने के पीछे हाईकमान का अपने ही नेताओं के बारे में एक आकलन है कि वह किस पर भरोसा करता है, किसे आजमाना चाहता है, किसे एक और मौका दिया गया है और किसे दूसरी पंक्ति से उठाकर राष्ट्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा रही है।

सबसे महत्वपूर्ण नियुक्ति छत्तीसगढ़ से पंजाब भेजे गए सचिन पायलट की है। यह उनके लिए पदोन्नति भी है और परीक्षा भी। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं और मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 16 मार्च 2027 को खत्म हो रहा है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उत्तर भारत के उन कुछ बड़े राज्यों में से एक है, जहां कांग्रेस के सत्ता में आने की वास्तविक संभावना है।

- **अधिकतर तो परिवर्तन शाबाशी का प्रतीक, पर बघेल के पंजाब से आसाम स्थानांतरण में हाईकमान की उनके प्रति कुछ ''नाराज़गी'' व निराशा की झलक दिखती है।**

पंजाब में ताजा लड़ाई प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच है, जो अब चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हैं। इस मतभेद के कारण पहले ही अलग-अलग गुट बन चुके हैं, वड़िंग को हटाने की मांग उठ चुकी है।

हाईकमान के लिए मुश्किल यह है कि वड़िंग और चन्नी दोनों ही राहुल गांधी के पसंदीदा नेता रहे हैं। वड़िंग का राहुल के साथ संबंध उनके युवा कांग्रेस के दिनों से है। सन् 2014 में वड़िंग को भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था।

इस तरह पंजाब में राहुल के भरोसे और समर्थन से आगे बढ़े दो नेता आपस में लड़ रहे हैं और गांधी परिवार अपनी युवा पीढ़ी के एक तीसरे नेता, पायलट, पर भरोसा कर रहा है कि वे दोनों को नियंत्रण में रखेंगे।

पायलट के लिए इस जिम्मेदारी का एक और पहलू है। बहुत कम कांग्रेस नेता इस बात को उतना करीब से जानते हैं कि लंबे समय तक चलने वाली अंदरूनी लड़ाई राजनीतिक करियर को कितना नुकसान पहुंचा सकती है। राजस्थान में अशोक गहलोत के साथ उनकी अपनी लड़ाई कांग्रेस सरकार पर हावी रही और आखिरकार राज्य में भाजपा के साथ पार्टी की लड़ाई जितनी ही महत्वपूर्ण हो गई। इसलिए पंजाब, पायलट को वह जिम्मेदारी दे रहा है, जिसकी उन्हें लंबे समय से इच्छा रही है, ऐसी राजनीतिक जिम्मेदारी, जिसके नतीजे साफ तौर पर मापे जा सकें।

जब 2028 में राजस्थान में अगला विधानसभा चुनाव आएगा, तब इसका बहुत महत्व हो सकता है। राजस्थान में नेतृत्व पर पायलट का दावा और मजबूत होगा, अगर वे यह साबित कर पाते हैं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सत्य निकेतन हादसा, बिल्डिंग की मालकिन, पति व पुत्र गिरफ्तार

नई दिल्ली, 07 सितंबर। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत ढ हने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मकान मालिक के परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संपत्ति की मालकिन उर्मिला गुप्ता (75), उनके पति हरिराम गुप्ता (81) और बेटे महेश गुप्ता (52) को गिरफ्तार किया है। हादसे के बाद चलाए गए लंबे बचाव अभियान में मलबे के नीचे दबे कुल 12 लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वालों में ज्यादातर युवा छात्र थे।

- **हादसे में जान गंवाने वाले 7 लोगों में 6 युवक थे।**

राहुल की यात्रा से पूर्व पायलट को पंजाब की खेमेबाजी का समाधान निकालना है

जिम्मेवारी इतनी आसान नहीं है, क्योंकि, राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मु.मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के साथ, एक बड़े खेमे का नेतृत्व कर रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। पंजाब कांग्रेस में हुए फेरबदल ने पार्टी की प्रदेश इकाई को न केवल हैरान किया है, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दिया है कि केन्द्रीय नेतृत्व के पास जानकारी हासिल करने की अपनी निजी व्यवस्था भी है और वह किसी एक व्यक्ति की राय पर निर्भर नहीं है।

कांग्रेस हाईकमान ने भूपेश बघेल को पंजाब भेजा था, तथा उन्हें गुटों में बँटी प्रदेश कांग्रेस को एकजुट करने की विशेष जिम्मेदारी दी गई थी। अब बघेल को पंजाब से हटा दिया गया है और उनकी जगह सचिन पायलट को यह जिम्मेदारी दी गई है।

पंजाब के नये प्रभारी सचिन पायलट ने राजस्थान में भी इसी तरह की गुटबाजी का सामना किया है और वे अच्छी तरह समझते हैं कि इससे पार्टी को कितना नुकसान होता है।

- **साथ ही यह भी विदित है कि राजस्थान के प्रभारी के रूप में रंधावा को गहलोत समर्थक माना जाता है।**

एक खास दिलचस्प बात यह है कि सुखजिंदर सिंह रंधावा, जो इस समय चन्नी खेमे में एक प्रमुख नेता हैं, पायलट के गृह राज्य राजस्थान के प्रभारी हैं।

अब पायलट की जिम्मेदारी होगी कि वे रंधावा को चन्नी खेमे से अलग करके अपने साथ लाएं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पंजाब के सभी गुटों में पायलट को स्वीकार किया जाता है और हाईकमान के इस फैसले का पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं, दोनों ने स्वागत किया है।

अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में पायलट के सामने, राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले, सभी नेताओं को एकजुट करने की चुनौती है, ताकि एकता का माहौल बनाया जा सके और जनता को यह संदेश दिया जा सके कि अंदरूनी बदलावों के बाद ''सब चंगा सी'', यानी सब कुछ ठीक है।

फिलहाल एक गुट का नेतृत्व चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा कर रहे हैं, जबकि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, और प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग अपने-अपने अलग गुटों का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में, राजा वड़िंग को जिला अध्यक्षों का भी समर्थन हासिल है, क्योंकि उन्हीं ने उनकी नियुक्तियां की थीं।

प्रभारी के रूप में बघेल से उम्मीद की गई थी कि वे इन गुटों को एक साथ लाकर पार्टी को मजबूत करेंगे। लेकिन वह इस काम में सफल नहीं हो सके और उन पर आरोप लगा कि वे खुद ही एक अलग गुट बन गए थे।

'प्रभारी' की जिम्मेदारी आमतौर पर किसी दूसरे राज्य के नेता को इसलिए दी जाती है, ताकि वह स्थानीय स्थिति को नए नजरिए से देख सके।

कांग्रेस हाईकमान को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में बघेल ने यथास्थिति बनाए रखने की सिफारिश की थी और, खास तौर पर, राजा वड़िंग को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर बनाए रखने की बात कही थी।

दिल्ली में संगठन प्रभारी के साथ हुई बैठक में, चन्नी और रंधावा ने वड़िंग को हटाने की मांग की थी।

इस बीच, राहुल गांधी के पंजाब के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेनाओं के लिये 1.10 लाख करोड़ रु. की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली, 07 सितंबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लिए लगभग एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इससे भारतीय सेना के लिए केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल, हाई मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम की खरीद की जाएगी। मंजूर किये गए प्रस्तावों में से लगभग 98 फीसदी खरीद भारतीय इंडस्ट्री से की जाएगी।

रक्षा बलों के अलग-अलग अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन), यानी सैद्धांतिक एडमिनिस्ट्रेटिव मंजूरी मिलने से तीनों सेनाओं को नए हथियार मिलने से युद्धक क्षमता मजबूत होगी। सेना के लिए खरीदे जाने वाले केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल प्रभावित क्षेत्र का पता लगाने, पहचानने, मॉनिटर करने और मार्किंग करने में सक्षम होंगे।

सरकार को अविलंब आना पड़ा, इसरो के स्टाफ की आशंका दूर करने के लिए

स्टाफ में आशंका का कारण था, ''इन-स्पेस'' के अध्यक्ष पवन गोयंका का वह वक्तव्य जिसमें उन्होंने कहा था कि ''इसरो अब कोई लॉन्च व्हिकल्स'' नहीं बनाएगा। यह सारा काम अब प्राइवेट सैक्टर व प्राइवेट पार्टियों के लिए छोड़ दिया जाएगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। मोदी सरकार ने देश की अंतरिक्ष एजेंसी ''इंडिया स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो)'' के काम के तेजी से हो रहे निजीकरण को लेकर उसके कर्मचारियों के बढ़ते हुये डर, बेचैनी और चिंता को शुरू में ही खत्म करने की कोशिश की है। कुछ निजी कंपनियों को काम करने के लिए लाइसेंस भी दिए जा रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने इसरो से एक बयान जारी करने को कहा, जिसमें कहा जाए कि इसरो देश की प्रमुख अंतरिक्ष संस्था बनी रहेगी। यह कदम इसरो के कर्मचारी संगठनों द्वारा इसरो कुछ गतिविधियों को निजी और सरकारी कंपनियों को सौंपने की योजनाओं पर चिंता जताए जाने के बाद उठाया गया।

केन्द्र सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब विपक्ष मोदी सरकार की संवेदनशील और रणनीतिक तकनीकों को निजी क्षेत्र को सौंपने की योजना का विरोध कर रहा है। कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने इसरो के कथित निजीकरण को तुरंत रोकने की मांग की है।

- **पवन गोयंका का इशारा था कि इसरो अब भविष्य में स्पेश रिसर्च व नई-नई टैक्नॉलजी विकसित करने की आर एण्ड डी का ही काम करेगा।**

विपक्ष का विरोध ''आईएन-स्पेस'' के अध्यक्ष पवन गोयनका के उस बयान के बाद सामने आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''आखिरकार इसरो कोई भी प्रक्षेपण यान न तो बनाएगा और न ही उसका निर्माण करेगा'' और इसका पूरा उत्पादन सरकारी उपक्रमों या निजी कंपनियों को पूरी तरह सौंप दिया जाएगा।

गोयनका के इस बयान के बाद, इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त रूप से विरोध पत्र जारी किया।

भारत अन्तरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी दुनिया के प्रमुख देशों में से एक है।

इसरो ने मंगल ग्रह पर एक अंतरिक्ष यान भेजा है, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास यान उतारा है और अपना खुद का प्रक्षेपण तंत्र यान विकसित किया है। वह देश की पहली मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान की भी तैयारी कर रहा है।

एजेंसी ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''इसरो उन्नत अंतरिक्ष अनुसंधान और तकनीक के विकास, राष्ट्रीय और रणनीतिक अभियानों, अंतरिक्ष विज्ञान और खोज तथा अंतरिक्ष की महत्वपूर्ण और अत्याधुनिक क्षमताओं के लिए भारत का प्रमुख संस्थान बना रहेगा।

इस पोस्ट में उन आशंकाओं को दूर करने की भी कोशिश की गई कि संगठन का न तो निजीकरण किया जाएगा और न इसका महत्व ही कम किया जाएगा।

यह बयान 4 सितंबर को कर्मचारी संगठन के उस पत्र के बाद आया, जिसे मीडिया ने प्रकाशित किया था और ''रॉयटर्स'' ने भी देखा था। इसमें इसरो के कुछ कर्मचारियों ने इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन से उन खबरों पर स्पष्टीकरण मांगा था, जिनमें कहा गया था कि वर्तमान में एजेंसी द्वारा संभाली जा रही निर्माण और संचालन की जिम्मेदारियां कंपनियों को सौंप दी जाएंगी।

पुलिस जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति पर 14 तक फैसला ले- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 07 सितंबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि वह जंतर-मंतर पर आरक्षण और यूजीसी के नियमों के खिलाफ प्रदर्शन करने की इजाजत देने पर 14 सितंबर तक फैसला ले। जस्टिस अमित महाजन की बेंच ने ये आदेश दिया।

क्षत्रिय करणी सेना 20 सितंबर को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करना चाहती है। कोर्ट ने क्षत्रिय करणी सेना से कहा है कि वह पुलिस को अपना आवेदन दे। पुलिस 14 सितंबर तक उस पर फैसला करेगी और आपको अपने फैसले की जानकारी देगी।

भरतपुर के सेवर में कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से महिला की मौत, पांच घायल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरबीएम अस्पताल पहुंचे और भर्ती घायलों का हालचाल जाना

- **प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी दीवार थी, जो अचानक गिर गई, राहगीरों से मिली प्रारंभिक सूचना में दीवार के हिलने की बात सामने आई है, यह भी बताया जा रहा है कि किसी जानवर या बंदर से दीवार हिली हो सकती है**
- **सूचना पर पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के सेवर थाना क्षेत्र के सेवर कस्बे में सोमवार को कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में मलबे की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसा सेवर कस्बे के सिकलीगर मोहल्ले में हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी कच्ची दीवार के ऊपर बना छज्जा अचानक गिर गया। दीवार गिरने के बाद मलबा दूसरे मकान की छत पर जा गिरा, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए भरतपुर के आरबीएम अस्पताल लाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वहीं घायल पांच लोगों का इलाज जारी है। प्रशासन के अनुसार फिलहाल सभी घायल स्थिर बताए जा रहे हैं और चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

घटना की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरबीएम अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों और अधिकारियों से घायलों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली तथा सभी घायलों को बेहतर और तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए और जरूरत के अनुसार उन्हें हर संभव मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई जाए।

एडीएम सिटी राहुल सैनी ने बताया कि सेवर कस्बे के सिकलीगर मोहल्ले में एक कच्ची दीवार और छज्जा गिरने से हादसा हुआ। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हुई है, जबकि पांच लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने बताया कि सभी घायल फिलहाल स्टेबल हैं और डॉक्टरों की पूरी टीम उनके इलाज में लगी हुई है। कलेक्टर, एसपी, डीसी और मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की है। अधिकारियों ने चिकित्सकों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को हर संभव उपचार और सहायता उपलब्ध कराई जाए।

जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक निजी दीवार थी, जो अचानक गिर गई। राहगीरों से मिली प्रारंभिक सूचना में दीवार के हिलने की बात सामने आई है। यह भी बताया जा रहा है कि किसी जानवर या बंदर के कारण दीवार हिली हो सकती है, हालांकि हादसे के वास्तविक कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। कलेक्टर ने बताया कि दीवार दूसरे मकान की छत पर गिरने की प्रारंभिक जानकारी है। हादसे में एक महिला की मौत हुई है और पांच लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से पूरे मामले की जानकारी को मौके पर दोबारा सत्यापित किया जा रहा है।

हादसे के बाद एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। प्रशासन के अनुसार सभी लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया है। इसके बावजूद किसी अन्य व्यक्ति के मलबे में दबे होने की आशंका को पूरी तरह खत्म करने के लिए मौके की दोबारा जांच कराई जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें पूरे घटनास्थल को रीचेक कर रही हैं और अंतिम पुष्टि के बाद ही राहत-बचाव अभियान को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। फिलहाल आरबीएम अस्पताल में भर्ती घायलों की स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। अधिकारियों ने चिकित्सकों को घायलों के स्वास्थ्य की लगातार मॉनिटरिंग करने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

चित्तौड़गढ़ जिले के वागन बांध पर चार इंच बरसात हुई

- **प्रतापगढ़ के गादोला में एक इंच और बड़ीसादड़ी में दो इंच बारिश दर्ज**
- **बारिश के बावजूद उदयपुर शहर में अभी भी तेज बारिश का इंतजार है**

उदयपुर, (कासं)। मानसून की गतिविधियों के बीच पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के कानोड़ और उदयसागर क्षेत्र में भी बारिश हुई,लेकिन उदयपुर शहर में अभी तक तेज बारिश का इंतजार बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों में राजस्थान में सबसे अधिक चार इंच बारिश चित्तौड़गढ़ जिले के वागन बांध पर दर्ज की गई। वहीं प्रतापगढ़ के गादोला में एक इंच और बड़ीसादड़ी में दो इंच बारिश हुई। वहीं उदयपुर जिले में कानोड़ में 21 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जो करीब एक इंच के बराबर है। वहीं उदयसागर क्षेत्र में 13 मिलीमीटर, यानी करीब आधा इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के बावजूद उदयपुर शहर में अभी भी तेज बारिश का इंतजार है। शहर और आसपास के इलाकों में लोगों को अच्छी बारिश की उम्मीद बनी हुई है।

मौसम विभाग के आगामी पूर्वानुमान के बीच अब निगाहें उदयपुर शहर और जिले में होने वाली अगली बारिश पर टिकी हैं। मानसून के विदा होने का समय आ गया है और अभी तक उदयपुर संभाग सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में तेज बारिश नहीं होने से आमजन के साथ ही किसानों की चिंता बढ़ गई है।

युवक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार विज्ञान नगर क्षेत्र में 37 वर्षीय युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। विज्ञान नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि विज्ञान नगर निवासी कैलाशचंद (ने घर में फांसी लगाकर सुसाईड कर लिया।

कोटा में होमगार्ड की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में एक युवक की तबियत बिगड़ने से संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया

जानकारी के अनुसार होमगार्ड जवान घर पर खाना खाकर सो गया। उठने के बाद अचानक से तबियत बिगड़ी, जिसे उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। बोरखेड़ा थानाधिकारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि बोरखेड़ा निवासी होमगार्ड अमित कुमार (42) की जन्माष्टमी पर ड्यूटी लगी थी, जिसे बाद वह घर पर था। घर में अचानक से तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

युवती की बरामदगी को लेकर थाने का घेराव कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज

बताया जा रहा है कि गुमशुदा लड़की की मां और पिताजी लाठीचार्ज में बुरी तरह घायल हुए हैं, ग्रामीणों को भी चोटें आई हैं

- **पुलिस द्वारा लाठीचार्ज में महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने का आरोप लगाया है**
- **लाठीचार्ज की सूचना पर पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया पहुंची**

सादुलपुर, (निसं)। कानावासी गांव की युवती की गुमशुदगी पर युवती को सकुशल बरामद करने की मांग को लेकर धरने पर पांचवें दिन सोमवार को पुलिस थाना हमीरवास का घेराव कर रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने बर्बर कार्रवाई करते हुए लाठीचार्ज कर दिया।

लाठीचार्ज की सूचना पर पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया मौके पर पहुंची। पूनिया ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीक़े से प्रदर्शन कर रहे परिजनों और ग्रामीणों पर लाठीचार्ज करना भाजपा सरकार की तानाशाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा किसानों पर लाठीचार्ज को कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। भाजपा सरकार और उसके अन्याय के ख़िलाफ़ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

पूर्व विधायक डॉक्टर कृष्णा पूनिया ने दूरभाष पर चूरू पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रशाद से वार्ता कर ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज की घटना से अवगत कराया। पूर्व विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ख़ुद पुलिस थाने के सामने धरने पर बैठ गई और कहा कि भाजपा सरकार की इस तानाशाही का ख़ामियाज़ा सरकार को भुगतना पड़ेगा। पूनिया ने कहा कि पुलिस प्रशासन लाठी के दम किसानों को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि में हर परिस्थिति में किसानों के साथ खड़ी हूँ। पुलिस द्वारा जनप्रतिनिधि के साथ अभद्रता करना निंदनीय है।

युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रोहित पूनिया ने बताया कि ग्रामीण नारेबाजी करते हुए पुलिस थाने के मुख्य द्वार की तरफ़ बढ़ रहे थे, तभी अचानक पुलिस प्रशासन द्वारा लाठीचार्ज कर दिया गया। पुलिस द्वारा लाठीचार्ज में महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि गुमशुदा लड़की की मां और पिताजी लाठीचार्ज में बुरी तरह घायल हुए हैं। लाठीचार्ज में ग्रामीणों को चोटें आई है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने बातचीत की बजाए लाठीचार्ज से धरने प्रदर्शन को दबाने का का प्रयास किया है। लाठीचार्ज में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रोहित पूनिया, राशिद ख़ान, अजीत पूनिया, सोनू, नवीन काजला, रामकिशन काजला, अनिता देवी, रामकिशन सहारन, मनीष काजला, मिश्रो देवी, संतोष देवी लाठीचार्ज में घायल हो गए।

'वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नागरिकों की भागीदारी जरूरी'

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह को एन.जी.टी. अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने संबोधित किया

- **10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में लखनऊ पहले, इंदौर दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहा**
- **न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने वायु गुणवत्ता में सुधार और 10 तथा 2.5 के स्तर को निर्धारित मानकों के भीतर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए सम्मानित शहरों और वार्डों को बधाई दी**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छ हवा केवल पर्यावरणीय आकांक्षा नहीं, बल्कि एक व्यावहारिक लक्ष्य है। इसे समर्पित प्रयासों, बेहतर योजना और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए हासिल किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रभावी क्रियान्वयन के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। वे सोमवार को अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पर्यावरण भवन में आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह को संबोधित करते हुये न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने वायु गुणवत्ता में सुधार और 10 तथा 2.5 के स्तर को निर्धारित मानकों के भीतर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए सम्मानित शहरों और वार्डों को बधाई दी। समारोह में एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार ने पुरस्कार प्रदान किए।

10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में पहला स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के इंदौर को दूसरा और जबलपुर को तीसरा स्थान मिला। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत शामिल 130 शहरों का वार्षिक आंकलन है।

न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि वायु प्रदूषण एक जटिल चुनौती है, क्योंकि यह राजनीतिक और प्रशासनिक सीमाओं का सम्मान नहीं करता। न्यायमूर्ति श्रीवास्तव ने ऋग्वेद के मधु सूक्त का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में भी मानव जीवन और पर्यावरणीय शक्तियों के बीच सामंजस्य तथा वायु और जल की शुद्धता पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझकर उसके अनुरूप व्यवहार करे, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है।

मंदिर से चोरी हुये छत्र को खरीदने का आरोपी गिरफ्तार, पांच छत्र बरामद

खेतड़ी, (निसं)। गोठड़ा थाना पुलिस ने मंदिर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरी के चांदी के छत्र खरीदने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए पांचों चांदी के छत्र बरामद कर लिए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लोकेश पुत्र लखीप्रसाद, निवासी वार्ड नंबर 6, पुराना बाजार पलसाना, थाना रानोली, जिला सीकर के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार थानाधिकारी प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 25 मई को छाजुवाला धाम मंदिर, केशा की ढाणी, तन पुजारी की ढाणी में अज्ञात चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़ दिया और मंदिर से पांच चांदी के छत्र चोरी कर लिए थे। घटना के बाद गोठड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने वारदात में शामिल बलराज, मुकेश कुमार और महिपत सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने चोरी के चांदी के छत्र खरीदने वाले लोकेश को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए पांचों चांदी के छत्र बरामद कर लिए। पुलिस अब चोरी के माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर भी जांच कर रही है।

जोधपुर के देचू में एक ही रात में छह घरों में लाखों की चोरी

- **22 तोला सोना, 182 तोला चांदी और 3.10 लाख रुपए ले गए चोर**

जोधपुर, (कासं)। देचू के एक निजी स्कूल और आम चोहटा के पास देर रात चोरों ने 6 घरों को निशाना बनाया। चोर यहां से सोने-चांदी के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। अब पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार चोरों ने देचू निवासी हनुमान राम गवारिया के घर से 22 तोला सोने के गहने, 182 तोला चांदी के गहने और 3 लाख 10 हजार रुपए चुराए। इसके अलावा, मोहनसिंह, हड़वंत सिंह, रानीदान सिंह, गुमानसिंह और सवाई सिंह के घरों से भी नकदी और गहने चोरी हुए हैं। इन घरों में चोरी हुए सामान को लेकर पुलिस जांच कर रही है। ये सभी पीड़ित देचू के आदर्श स्कूल के पीछे ढाणियों में रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इस समय बाबा रामदेव का मेला चल रहा है। चोर इसी का फायदा उठा रहे हैं। देर रात बाबा रामदेवरा जाने वाले यात्री डीजे साउंड का इस्तेमाल करते हैं, जिससे घरों में हो रही चोरियों की आवाज सुनाई नहीं देतीं।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि., इं.गा.न.प., बीकानेर

क्रमांकः-2012 दिनांकः 21/08/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 08 वर्ष 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Modern Record Rooms construction at Colonisation Tehsils in Bikaner and Jaislmer Distrcit of Colonisation Department Bikaner की अनुमानित लागत 140.44 लाख है, के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन / डाउनलोड की अवधि दिनांक 31.08.2026 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 09.09.2026 को सायं 06.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 11. 09.2026 को प्रातः 12.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://cad.rajasthan.gov.in डी.आई.पी.आर की वेबसाईट www. dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN-CDB2627WSOB00085

(शिवराम मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता,
ओएफडी खण्ड प्रथम, सिंक्षेवि,
इंगानप, बीकानेर
मोबाईल-9414853126

DIPR/C/15589/2026

नशामुक्ति का संकल्प लेकर युवाओं ने सचिन पायलट का जन्मदिन मनाया

'यूथ के संग नशे के विरुद्ध संकल्प' कार्यक्रम में युवाओं ने समाज को नशामुक्त बनाने का प्रण लिया

नोहर में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट का जन्मदिन कार्यकर्ताओं ने कैक काटकर मनाया।

- **'सचिन पायलट का संघर्षशील व्यक्तित्व, स्पष्ट नेतृत्व क्षमता और युवाओं से निरंतर जुड़ाव नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है'**

नोहर। कांग्रेस महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट के 49वें जन्मदिन पर किसान छात्रावास, नोहर एवं जाट धर्मशाला, पल्लू में सुचित्रा आर्य समर्थक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने जन्मदिन को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए अनूठे अंदाज में मनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'यूथ के संग नशे के विरुद्ध संकल्प' रहा।

इस अवसर पर युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने नशे से स्वयं दूर रहने, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि नशा आज युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। युवाओं को नशे से बचाना केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जागरूकता और सामूहिक प्रयासों को जनआंदोलन का रूप देना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सचिन पायलट युवाओं के रोल मॉडल और प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका संघर्षशील व्यक्तित्व, स्पष्ट नेतृत्व क्षमता और युवाओं से निरंतर जुड़ाव नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। ऐसे में उनके जन्मदिन को नशामुक्ति जैसे सामाजिक संकल्प के साथ मनाना युवाओं के बीच एक सकारात्मक और सार्थक संदेश देने की पहल है।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर भी शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि सचिन पायलट के प्रभावी नेतृत्व एवं शानदार संगठनात्मक क्षमता से पंजाब कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी तथा आगामी समय में पार्टी विजय की पताका फहराएगी। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष केशुराम पूनिया, ओमप्रकाश कस्वां, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष कृष्ण महिया, मास्टर तरुण मेघवाल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भंवरलाल बुढ़ानिया, शीशपाल मील, यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष कालूराम खीचड़, हनुमान कुकना, भूपेंद्र सहारण, धर्मपाल बिस्सू, किसान छात्रावास अधीक्षक मोहन सुथार एवं सेवादल ध्वजवाहक विजय सैन सहित बड़ी संख्या में युवा एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अलवर सेंट्रल जेल से उम्रकैद का बंदी फरार

अलवर, (निसं)। अलवर की सेंट्रल जेल से उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी फरार हो गया। वह जेल के खुले बंदी शिविर से गायब हो गया। रविवार सुबह नियमित हाजरी में गायब मिलने पर जेल प्रशासन ने कैदी के फरार होने की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि बंदी गोपाल उर्फ रामगोपाल पुत्र किशनलाल निवासी नांगल रूपा, थाना खेडली, अलवर का रहने वाला है। अपर जिला व सेशन न्यायधीश कठूमर ने हत्या और आयुध अधिनियम के तहत उसे दोषी ठहराया था और 23 सितंबर 2022 को अदालत ने उसे उम्र कैद की सजा सुनाई थी। जेल प्रशासन के मुताबिक 6 सितंबर की सुबह खुले बंदी शिविर में सभी कैदियों की परेड और गिनती कराई गई, लेकिन गोपाल उर्फ रामगोपाल हाजरी में मौजूद नहीं था। इसके बाद उसके आवास गृह की जांच की गई, लेकिन वह वहां भी नहीं मिला। शिविर के आसपास तलाश करने के साथ उसके रिकॉर्ड में दर्ज मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन मोबाइल पर इनकमिंग कॉल चालू नहीं होने के कारण उससे संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद केंद्रीय कारागृह अधीक्षक कार्यालय की ओर से प्रहरी सतीश चंद शर्मा के माध्यम से कोतवाली थाने में तहरीरी रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एएसआई बृजेन्द्र को सौंपी गई है। पुलिस अब फरार बंदी की तलाश में जुटी है।

कांग्रेस ने 15 बागी प्रत्याशियों को निष्कासित किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम का चुनावी दौर में है। यहां के 19 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है। इधर, बागी प्रत्याशियों को लेकर भी दोनों दल एक्टिव हो गए हैं। कांग्रेस ने जहां 15 बागी प्रत्याशियों समेत पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेकर उन्हें निष्कासित किया।

कांग्रेस के संगठन महामंत्री कुश गहलोत ने बताया कि दो दिन में 40 लोगों को सस्पेंड किया गया है। ताकि कार्यकर्ताओं में मैसेज जाए कि संगठन के नियमों के अनुसार ही काम करना है। वहीं भाजपा अपने प्रत्याशियों के सामने खड़े बागियों को मना रही है।

इधर, प्रशासन ने जिले की 6 नगर पालिकाओं में पहले चरण में होने वाले चुनावों को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। इसके साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक सोमवार को जोधपुर पहुंचेंगे।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत अलवर
सा.नि.वि, परिसर, अशोका टाकीज के पास, कचहरी रोड, अलवर
फोनः- 0144-2737038, E-mail:-sealw.pwd@rajasthan.gov.in

क्रमांक 1766 दिनांक 01.09.2026

Corrigendum Short Term NIT No 12/2026-27

Construction of Various Missing Link / Non-Patchable Roads under the Jurisdiction of PWD Divisions Alwar and Atal path at jurisdiction of PWD Div Kathumar, District Alwar Online bids are invited from eligible and interested bidders for the above-mentioned works. As per Corrigendum officer order date 01-09-2026, the bidding process will commence from 22.08.2026 at 02:00 PM up to 08.09.2026 at 06:00 PM. Detailed bidding documents and other particulars may be downloaded from the State Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in, and the PWD departmental website http://pwd.rajasthan.gov.in.
The approximate value of the procurements is 872.06 Lakhs.

UBN No: -
1. PWD2627WSOB11432
2. PWD2627WSOB11433
3. PWD2627WSOB11434
4. PWD2627WSOB11435
5. PWD2627WSOB11431

Superintending Engineer
PWD Circle Alwar

DIPR/C/15647/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड प्रथम, सीकर

क्रमांकः दिनांकः

संशोधित निविदा सूचना संख्या 12/2026-27
(RO No. 14906)

इस कार्यालय के क्रमांक 2658 दिनांक 11.08.2026 के द्वारा आमंत्रित निविदा संख्या 12/2026-27 के क्रम संख्या 8 पर अंकित कार्य को अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार संशोधित किया जाता हैः-

विवरण	पूर्व दिनांक	संशोधित दिनांक
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक	दिनांक 13.08.2026 को प्रातः 9:30 बजे से दिनांक 25.08.2026 को सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	27.08.2026 को दोपहर 1.00 बजे	10.09.2026 को दोपहर 1.00 बजे

नोटः- संवेदक द्वारा धरोहर राशि के रूप में डिमाण्ड ड्राफ्ट / बैंकर चैक / बैंक गारन्टी / ई-बैंक गारन्टी / इन्सुरेन्स श्योरिटी बॉण्ड के माध्यम से जमा करवाता है तो भौतिक रूप से दिनांक 10.09.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक जमा करवाना आवश्यक है।

NIB Code PWD2627A2233
UBN Code PWD2627WSOB09980
निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

(प्रकाश चन्द्र)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि., खण्ड प्रथम, सीकर

DIPR/C/15508/2026

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण बना : मुख्य सचिव

8 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरे : शिखर अग्रवाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को आगामी 10 दिसंबर प्रवासी राजस्थानी दिवस तक अधिकाधिक एमओयू को धरातल पर उतारने के लक्ष्य के साथ समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।शासन सचिवालय में सोमवार को राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मेलन के दौरान हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने को कहा। उन्होंने निवेश परियोजनाओं से जुड़ी फाइलें शीघ्र प्रस्तुत करने तथा जिला कलक्टरों के साथ समन्वय कर परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को प्राथमिकता से दूर करने के निर्देश दिए। ऊर्जा एवं राजस्व विभाग से अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

- **10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन तक और अधिक एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी के निर्देश दिए**

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए एमओयू के क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को समीक्षा बैठक ली।

उन्होंने भूमि की पहचान एवं आवंटन से जुड़े मामलों का शीघ्र समाधान करने को कहा, ताकि निवेश परियोजनाओं में अनावश्यक देरी न हो। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उद्योग शिखर अग्रवाल ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने स्वीकृति योग्य प्रकरणों को शीघ्र मंजूर करने और जिनमें स्वीकृति संभव नहीं है, उनमें तत्काल निर्णय लेने के निर्देश दिए। बैठक में विभागवार लक्ष्यों और प्रगति की समीक्षा की गई तथा निवेश प्रस्तावों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए। संबंधित जिला कलक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

साक्षरता से सशक्त होता है समाज : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं, बल्कि व्यक्ति को ज्ञान, आत्मनिर्भरता, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

देवनानी ने कहा कि एक शिक्षित और जागरूक नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र की आधारशिला होता है। साक्षरता व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करने के साथ ही उसे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है तथा समाज की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सक्षम करती है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा ने सदैव शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया है।

ज्ञान व्यक्ति के जीवन को दिशा देने के साथ-साथ समाज में विवेक, समानता, आत्मविश्वास और सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा और ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल ने ली शपथ

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को लोकभवन में राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलाई।

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को लोकभवन में राजस्थान हाईकोर्ट के नए सीजे संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलाई। जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने राजस्थान हाईकोर्ट के 44 वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। शपथ के बाद राष्ट्रपति भवन से जारी वारंट पर साइन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्यपाल से जस्टिस संजय के. अग्रवाल को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से सीजे अग्रवाल के नियुक्ति वारंट को पढकर सुनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मंत्रिमंडल के सदस्य, जनप्रतिनिधि, हाईकोर्ट के जज, अधिकारी व वकील सहित सीजे अग्रवाल के परिजन भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद सीजे जोधपुर के लिए रवाना हो गए। दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता के बीच में चल रहे विवाद के दौरान पिछले दिनों ही सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने की सिफारिश की थी। इसके बाद 4 सितंबर को भारत सरकार के विधि व न्याय मंत्रालय ने जस्टिस संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने की अधिसूचना जारी की और राष्ट्रपति भवन से उनके नियुक्ति वारंट जारी किए गए।

जयपुर, अलवर, सवाईमाधोपुर, डीडवाना और कुचामन में जीएसटी विभाग की कार्रवाई

जयपुर । वाणिज्यिक कर विभाग ने कर अपवंचना, फर्जी बिलिंग, सर्कुलर ट्रेडिंग और अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। जयपुर, अलवर, सवाई माधोपुर एवं डीडवाना-कुचामन में किए गए निरीक्षणों में करीब 1.93 करोड़ रुपए की संभावित कर देयता सामने आई, जबकि करदाताओं ने 1.74 करोड़ रुपए से अधिक स्वैच्छिक रूप से जमा या रिवर्स किए।जयपुर की एम/एस पद्मावती ट्रैवल्स एंड कार्गो के यहां 1 सितम्बर को जांच में 1 करोड़ 38 लाख 88072 रुपए की आईजीएसटी आईटीसी का रिवर्सल नहीं किया जाना सामने आया। विभाग की कार्रवाई के बाद करदाता ने पूरी राशि स्वैच्छिक रूप से जमा कर दी। अलवर सॉल्वेक्स के यहां जांच में आग से नष्ट स्टॉक व आईटीसी से जुड़े मामले में करीब 30 लाख रुपए की संभावित देयता सामने आई। यहां एम/एस एडल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड के लिए सरसों तेल की पैकिंग का जॉबवर्क किया जाता है और 11 सितम्बर को दस्तावेज व लेखा पुस्तकों के साथ उपस्थित होने का समन जारी किया गया है।

- **निरीक्षण के दौरान 1.74 करोड़ रुपए से अधिक टैक्स स्वैच्छिक रूप से जमा कराया**

खेरलीवाला प्रोडक्ट्स प्रा. लि. , अलवर में करीब 12 लाख रुपए की संभावित देयता के मामले में 10 लाख रुपए जमा कराए गए।

सुजानगढ़ के गायत्री स्टोन क्रशर में सर्कुलर ट्रेडिंग, बिना वास्तविक आपूर्ति के बिल, आरसीएम में अंतर और टर्नओवर छिपाने की आशंका पर करीब 10.15 लाख रुपए की संभावित देयता आंकी गई और बिक्री संबंधी दस्तावेज जब्त किए गए।

सवाई माधोपुर के एम/एस शिव ऑयल इंडस्ट्रीज, खंडार में वर्ष 2022-23 की 16,61,504 रुपए और 2023-24 की 12 लाख 37 हजार 80 रुपए, कुल 28.98 लाख रुपए की आईटीसी के उपयोग का मामला सामने आया। इसमें 15 लाख रुपए स्वैच्छिक जमा हुए और विस्तृत जांच जारी है।

डीडवाना-कुचामन के मकराना स्थित एम/एस राधे कृष्णा टिम्बर्स में बिना उचित बिलिंग और आईटीसी के जरिए कर देयता कम करने की आशंका पर करीब 12 लाख रुपए की संभावित राशि आंकी गई। करदाता ने 10 लाख रुपए कैश लेजर के माध्यम से जमा किए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी मामलों में दस्तावेज, लेखा पुस्तकों, रिटर्न और डिजिटल डेटा के आधार पर जांच जारी रहेगी तथा तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

मतदान के लिए मिलेगा सवैतनिक अवकाश

जयपुर। राजस्थान में नगरीय निकायों के आम चुनाव के लिए 9 व 11 सितंबर को मतदान होगा। मतदान में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135(ख) के तहत मतदान के दिन मतदाता सूची में नाम वाले नियोजित कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा।संभागीय संयुक्त श्रम आयुक्त प्रज्ञा शर्मा ने बताया कि 9 एवं 11 सितंबर में से जिस तारीख को संबंधित क्षेत्र में मतदान होगा, उस दिन वहां स्थित औद्योगिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत सभी पात्र कामगारों को सवैतनिक अवकाश मिलेगा।

399 खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच

जयपुर। जन्माष्टमी को देखते हुए खाद्य सुरक्षा टीम ने 1 से 5 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान दूध, मावा, पनीर, घी, मिठाई, मसाले सहित अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों और प्रतिष्ठानों की जांच की गई। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस दौरान399 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 802 नमूने लिए गए। इनमें 390 प्रवर्तन और 412 निगरानी नमूने शामिल हैं।

सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाकर 16 नवंबर तक पालना रिपोर्ट पेश करो : हाईकोर्ट

प्रताप नगर सेक्टर-5 में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर नगर निगम और हाऊसिंग बोर्ड को निर्देश दिए अदालत ने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रताप नगर के सेक्टर 5 के पास स्थित सरकारी भूमि से नगर निगम और आवासन मंडल को अतिक्रमण हटाकर 16 नवंबर को पालना रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश विकास समिति सेक्टर 5 की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में प्रमुख नगरीय विकास सचिव सहित जेडीए, निगम और आवासन मंडल के अधिकारी अदालत में पेश हुए। प्रमुख नगरीय विकास सचिव की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले में गत 3 सितंबर को बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें निर्णय लिया गया की मौके पर मौजूद अतिक्रमणों को आवासन मंडल और नगर निगम मिलकर हटाएगा। अतिक्रमण हटाने के लिए राज्य सरकार की ओर से तीन माह का समय मांगा गया।

इस पर अदालत ने निगम आयुक्त और आवासन मंडल से 16 नवंबर को शपथ पत्र पेश कर पालना रिपोर्ट दायर करने को कहा है। बीती सुनवाई पर अदालत के सामने आया था कि कॉलोनी को नगर निगम के क्षेत्राधिकार में सौंपा जा चुका है। वहीं निगम आयुक्त ने अदालत में पेश होकर कहा था कि विवादित कॉलोनी से अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम उत्तरदायी नहीं है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि जब जवाब पेश कर मौके पर अतिक्रमण माना जा चुका है तो फिर उसे हटाने की जिम्मेदारी क्यों नहीं ली जा रही है।

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख नगरीय विकास सचिव, जेडीए और आवसन मंडल सचिव सहित निगम आयुक्त को 7 सितंबर को पेश होने के आदेश दिए थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विकास काबरा ने बताया कि हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2022 को नगर निगम को आदेश दिए थे कि वह अतिक्रमण के संबंध में मिली शिकायतों का परीक्षण करें और अतिक्रमण पाए जाने पर चार माह में नियमानुसार कार्रवाई करे।

इसके बाद 24 जुलाई को जेडीए और आवासन मंडल सहित अन्य विभागों के अफसरों ने बैठक कर माना की मौके पर करीब 145 अतिक्रमण हैं, लेकिन इन्हें रोड, सीवरेज और बिजली-पानी के कनेक्शन जारी हो चुके हैं। इसलिए अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर इन्हें नियमित करने की छूट मांगी जाएगी। इस प्रार्थना को हाईकोर्ट खारिज कर चुकी है। इसके बावजूद भी अभी तक अतिक्रमण नहीं हटाया गया।

मोतीडूंगरी गणेशजी को गंगाजल अर्पित, कलश यात्रा में गूंजे जयकारे

पुष्य नक्षत्र में आज 251 किलो दूध और पंचामृत से होगा अभिषेक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। छोटी काशी के प्रसिद्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सोमवार से प्रथम पूज्य भगवान गणेश के जन्मोत्सव कार्यक्रमों का आगाज हुआ। जन्मोत्सव के पहले दिन महिलाओं की ओर से कलश यात्रा निकाली गई। महिलाएं कलश में गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचीं और यह जल प्रथम पूज्य भगवान गणेश को अर्पित किया गया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर गणपति के जयकारों से गूंज उठा।

- **14 सितंबर को स्वर्ण मुकुट में दर्शन देंगे मोती डूंगरी गणेशजी**

मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मंदिर के आसपास रहने वाले विभिन्न समाजों के लोगों ने करीब 11 वर्ष पहले भगवान गणेश को अर्पित करने के लिए कलश में गंगाजल लाने की अनुमति ली थी। धीरे-धीरे यह पहल कलश यात्रा का रूप लेती गई। अब हर वर्ष महिलाएं कलश यात्रा के रूप में गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचती हैं और इसे भगवान गणेश को अर्पित करती हैं। कलश यात्रा से लाए गए गंगाजल से भगवान गणेश का स्नान कराया गया।

इसके बाद विधि-विधान से अभिषेक किया गया। भगवान को चोला चढ़ाकर नवीन पोशाक धारण कराई गई और विशेष शृंगार किया गया। पूजा-अर्चना के बाद प्रथम पूज्य को मोदकों का भोग लगाया गया। मंगलवार को पुष्य नक्षत्र में भगवान गणपति का विशेष पंचामृत अभिषेक होगा। इसके लिए 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो घी का इस्तेमाल किया जाएगा। 14 सितंबर को स्वर्ण मुकुट में मोती डूंगरी गणेशजी के दर्शन होंगे।

जिंदा बम प्रकरण में उम्रकैद काट रहे अभियुक्त को रिहा करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार किया

जयपुर में साल 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट ने जयपुर में साल 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्त मोहम्मद सरवर आजमी को रिहा करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना वी. पराले की खंडपीठ ने यह आदेश सरवर आजमी की ओर से दायर सजा सस्पेंड के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इससे सामान्य जमानत के मामले की तरह नहीं देखा जा सकता। प्रार्थना पत्र में अभियुक्त की ओर से कहा गया कि घटना के दिन हुए आठ बम धमाकों में कई लोग मारे गए और कई घायल हुए थे। इसके अलावा एक बम जिंदा मिला था। वह ब्लास्ट हुए बम धमाकों को लेकर चले आठ मामलों में हाईकोर्ट से पहले ही बरी हो चुका है। सभी 9 बम एक ही साजिश का हिस्सा थे, इसलिए यदि उसे आठ मामलों में निर्दोष पाया गया है, तो इस जिंदा बम के मामले में उसे जेल में नहीं रखा जा सकता।

प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया कि उसे मामले में घटना के 12 साल बाद गिरफ्तार किया गया और यह करीब पन्द्रह साल जेल में बिता चुका है। इसलिए उसे रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने अदालत को बताया कि जिंदा बम का मामला आठ अन्य मामलों में पूरी तरह अलग है। जिस साइकिल का उपयोग बम ले जाने के लिए किया गया था, उसे बेचने वाले विक्रेता ने सरवर आजमी को बतौर खरीदार के तौर पर पहचाना है। इस साक्ष्य को पहले के मामलों में हाईकोर्ट ने खारिज नहीं किया था। वहीं आठ मामलों में बरी करने के फैसले के खिलाफ भी राज्य सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। एएजी ने कहा कि देरी से गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि मामला फर्जी है। इसलिए आरोपी की सजा को स्थगित नहीं किया जाए। गौरतलब है कि 13 मई 2008 को शहर में एक के बाद एक आठ जगह ब्लास्ट हुए थे। वहीं चांदपोल हनुमान मंदिर के पास एक बम जिंदा मिला था। विशेष अदालत की ओर से मिली फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने मार्च, 2023 में रद्द कर सरवर आजमी सहित अन्य आरोपियों को बरी किया गया था। वहीं विशेष अदालत के फैसले के करीब आठ माह बाद अभियोजन पक्ष ने जिंदा बम को लेकर आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। जिसमें फैसला देते हुए अदालत ने 8 अप्रैल, 2025 को शाहबाज हुसैन, मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान और सरवर आजमी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

- **अदालत ने कहा कि यह गंभीर मामला है और इससे सामान्य जमानत के मामले की तरह नहीं देखा जा सकता।**

कांग्रेस ने रखा जयपुर के कायाकल्प का खाका

जयपुर। नगर निगम चुनाव को लेकर जयपुर शहर कांग्रेस ने सोमवार को वर्ष 2027 से 2032 तक के लिए अपना घोषणा पत्र 'जयपुर-2032 परिवर्तन का संकल्प' जारी किया। कांग्रेस ने इसे 'मिशन-25' बताते हुए शहर के विकास से जुड़े 25 प्रमुख मुद्दों पर काम करने का रोडमैप पेश किया। इसमें यातायात, जलभराव, सार्वजनिक परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, खेल, पर्यटन, विरासत, सफाई और नगर निगम की वित्तीय व्यवस्था सहित कई क्षेत्रों के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय किए गए हैं।

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक रफीक खान और अमीन कागजी ने घोषणा पत्र जारी किया। शर्मा ने कहा कि दस्तावेज को तैयार करने में आर्किटेक्ट, वित्तीय विशेषज्ञ और पत्रकारों समेत विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से सुझाव लिए गए हैं। इसमें प्रत्येक कार्य के लिए समय, बजट और परिणाम की निगरानी पर जोर दिया गया है।

जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि कांग्रेस ने 2032 तक सभी 150 वार्डों में सिटी सेंटर विकसित करने का लक्ष्य रखा है। 2027 में सर्वे कर स्थान चिह्नित किए जाएंगे। हर वार्ड में वार्ड सभा और वार्ड मित्र बनाए जाने का भी वादा किया गया है। हर साल के कार्यों की योजना पहले से तैयार कर काम शुरू और पूरा करने की समय सीमा तय करने की बात कही गई है।वहीं 2028 तक पूरे शहर का वैज्ञानिक जल निकासी मानचित्र तैयार कर 2032 तक प्रमुख जलभराव वाले क्षेत्रों में 80 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य है। नालों के सुधार, पुलिया पुनर्निर्माण, भूमिगत जल निकासी, वर्षाजल संचयन और प्राकृतिक जलमार्गों के पुनर्जीवन का प्रस्ताव है। 50 प्रमुख मार्गों और 100 चौराहों को आधुनिक यातायात प्रबंधन प्रणाली से जोड़ने, कैमरे और सेंसर के जरिए जाम की निगरानी की योजना है।

- **वर्ष 2032 तक शहर के हालात बदलने का दावा**

पीएम सूर्यघर योजना के लिए वैंडर्स की कैपेसिटी बिल्डिंग पर जोर दें : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में ऊर्जा विभाग की कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पीएम-कुसुम, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, आरडीएसएस, बजट घोषणाओं की क्रियान्विति, केन्द्र सरकार के स्तर पर लंबित प्रकरणों, राइट ऑफ वे मामलों तथा राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त विद्युत संबंधी शिकायतों की स्थिति की समीक्षा की गई।मुख्य सचिव ने पीएम सूर्यघर योजना के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए वेंडर्स की क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप के माध्यम से अधिक से अधिक वेंडर्स को प्रशिक्षण देने और वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, ताकि योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।

'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की पहल राजस्थान से हुई : मदन राठौड़

प्रदेश की जनता ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का मन बना चुकी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी बड़े बहुमत के साथ जीत की ओर बढ़ रही है। राजस्थान की जनता विकास के लिए 'ट्रिपल इंजन की सरकार' बनाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्थानीय निकायों में भाजपा की सरकार बनने से विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा संसाधनों की कमी नहीं रहेगी।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा के पास योग्य और समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या है। टिकट नहीं मिलने से कहीं नाराजगी या विरोध है तो उसे बातचीत और संगठन के स्तर पर दूर किया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन विरोधी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं होंगी और पार्टी की पीठ में छुरा घोंपने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने जंतर-मंतर प्रदर्शन को लेकर भी कहा कि देश और राजस्थान की गौरवशाली परंपराओं को बदनाम करने वालों को कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' की पहल की है। स्थानीय निकाय, पंचायत और सहकारिता क्षेत्र के चुनाव एक साथ होने से बार-बार चुनावी प्रक्रिया में लगने वाला समय बचेगा और सरकार व जनप्रतिनिधि विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

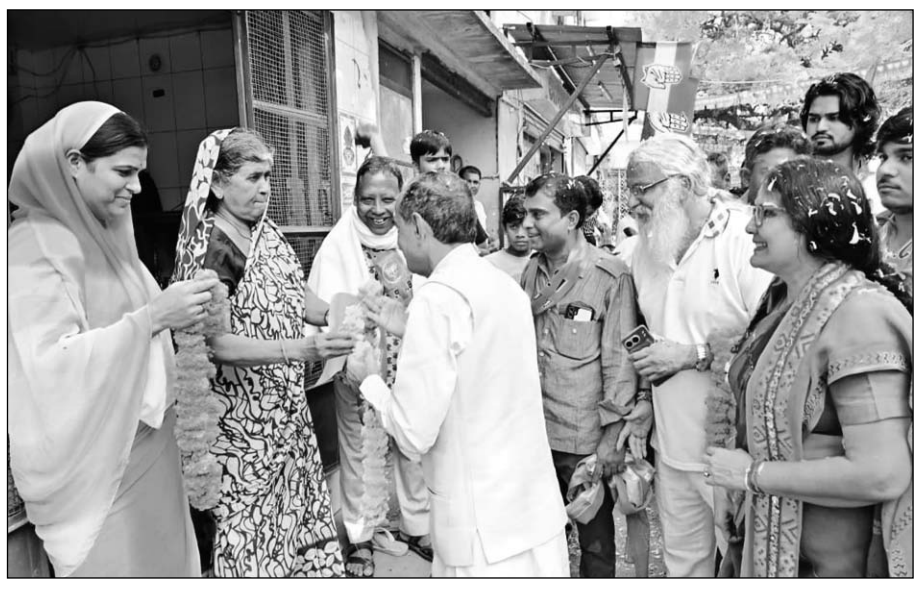

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल के वार्ड 110 में जनसंपर्क किया।

राठौड़ ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में जयपुर शहर के विधायकों के साथ बैठक कर प्रस्तावित रोड शो की तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने वार्ड 110 की भाजपा प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल, वार्ड 111 के संजय जायसवाल और वार्ड 108 की मीनाक्षी पारीक के समर्थन में जनसंपर्क किया। शाम को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 35 में भाजपा प्रत्याशी विमल कटियार के समर्थन में धावास रोड स्थित यादव मैरिज गार्डन से रजनी विहार, जगदंबा नगर ए, बी, सी, जगदीशपुरी एवं निर्बाक मंदिर क्षेत्र तक रोड शो किया। इसमें विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। देर शाम वार्ड 137 में भाजपा प्रत्याशी विमल अग्रवाल के समर्थन में भी प्रचार किया।

सार-समाचार

गंगापुर सिटी में मतदान को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

गंगापुर सिटी । जिले में नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 की सरगर्मी तेज हो गई है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने बताया कि जिले के विभिन्न नगर निकायों में मतदान की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। दो चरणों में होगा मतदान निर्वाचन कार्यक्रम के तहत नगर परिषद सवाई माधोपुर, नगर पालिका खण्डार और बौंली के लिए 9 सितंबर को मतदान होगा। वहीं नगर परिषद गंगापुर सिटी, नगर पालिका बामनवास और वजीरपुर के लिए 11 सितंबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोट डाले जाएंगे। मतदान के दौरान मतदाताओं को अपनी पहचान स्थापित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र दिखाना होगा। हालांकि, यदि कोई मतदाता किसी कारणवश अपना मुख्य पहचान पत्र दिखाने में असमर्थ रहता है, तो राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित 11 वैकल्पिक फोटो दस्तावेजों में से किसी एक मूल दस्तावेज को दिखाकर भी मतदान किया जा सकता है। ये सभी वैकल्पिक दस्तावेज निकाय चुनाव की घोषणा से पहले के बने होने चाहिए। ये 11 वैकल्पिक दस्तावेजो में मान्य आधार कार्ड, विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीवी-रामजी)/ मनरेगा जॉब कार्ड बैंकों या डाकघर द्वारा जारी की गई फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड/ आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस (ड्राइविंग लाइसेन्स) पैन कार्ड भारतीय पासपोर्ट फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज केंद्र/राज्य सरकार/ लोक उपक्रम/ पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र सांसदों एवं विधानसभा सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी) जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान के दिन इनमें से कोई एक वैध पहचान दस्तावेज अपने साथ जरूर लाएं, ताकि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और त्रुटिहीन तरीके से पूरी हो सके।

अजा एकादशी पर श्याम मंदिर पर भक्तों की भीड़ रही

गंगापुर सिटी । नहर रोड स्थित कुशालगढ़ के बाबा श्याम मंदिर में सोमवार को भादो महीने की कृष्ण पक्ष अजा एकादशी पर धार्मिक आयोजन हुए। इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य और आकर्षक शृंगार किया गया। मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। श्री कल्याण जी मंदिर में भी बाबा कल्याणजी की एकादशी पर भव्य झांकी सजाई गई। दोनों मंदिरों में दिनभर भक्तों का आना-जाना लगा रहा, जिससे मंदिर में काफी भीड़ रही। एकादशी पर्व के चलते सोमवार सुबह मंदिर की साफ-सफाई और धुलाई की गई। इसके बाद बाबा श्याम और श्री कल्याण जी महाराज का फूलों से आकर्षक शृंगार किया गया। बाबा श्याम के लिए बाहर से मंगवाए गए केवड़ा, चंपा, रजनीगंधा, मोगरा और कई प्रकार के गुलाब के फूलों से भव्य शृंगार किया गया। बाबा श्याम को नई पोशाक भी पहनाई गई। इसके बाद विशेष पूजा और आरती की गई। सुबह 4 बजे से ही श्याम प्रेमी मंदिर आना शुरू हो गए थे। दिनभर श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन करने पहुंचे। श्री श्याम सेवा धाम समिति ने बाबा श्याम का भव्य शृंगार किया और श्याम प्रेमियों के लिए जलपान का इंतजाम भी किया। शाम को बाबा श्याम की विशेष पूजा और आरती हुई, जिसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया और परिवार की खुशहाली व सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। नहर रोड के कुशलगढ़ मंदिर में श्रद्धालुओं ने गोपाल सहस्त्रनाम, श्याम चालीसा आदि का पाठ किया और भजन-कीर्तन सुने।

मतदाता जागरूकता अभियान

भरतपुर । टैक्नोलॉजी पार्क सेवर भरतपुर स्थित हरिदत्त डिठ्ठी कॉलेज के ई. एल. सी. क्लब ने स्वीप गतिविधि के अंतर्गत कॉलेज के एन. सी. सी. कैडेट्स एवं एन. एस. एस. इकाई के स्वयंसेवकों ने एल. बी. शास्त्री नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में घर घर जाकर पीले चावल बांटते हुए लोगों से लोकतंत्र को सफल बनाने हेतु आवश्यक रूप से मतदान करने हेतु आमंत्रित किया। कॉलेज के ई. एल. सी. क्लब के नोडल अधिकारी अशोक सिंह ने बताया कि इस गतिविधि का आयोजन भरतपुर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी स्वीप गतिविधि कैलेंडर के अनुसार किया गया है। उन्हेंने बताया कि पीले चावल बांटने पर बड़े ही सकारात्मक रूझान मतदान के प्रति लोगों में देखने को मिले। वहीं एच. डी. टीचर्स ट्रेनिंग इन्सटीट्यूट सेवर भरतपुर के बी. एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने स्वीप गतिविधि के अंतर्गत आसपास के क्षेत्रों और सेवर बाजार में मतदाता जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कॉलेज के ई. एल. सी. नोडल अधिकारी महेन्द्र सिंह ने बताया कि कॉलेज के ई. एल. सी क्लब में महाविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भावी शिक्षक समाज में मतदान जागरुकता लाने हेतु काफी सक्रिय होकर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से कार्य कर रहे हैं। नुक्कड़ नाटक मे संदीप, मयंक, संजय, अतुल, सचिन,निमेष, काजल, दीप्ती, करुणा, पायल, जया, नीतू, कोमल, ज्वाला, सुघा आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. नीता माथुर, डॉ, शंकर लाल, राममोहन शर्मा, हर्ष, विनोद अवस्थी, भावना सिंह, सरिता रानी, कृपाल सिंह, विक्रम प्रताप गोतम, वीरेन्द्र कुमार यादव, आकाश सिंह, मुस्कान सागर, अरूण कुमार, दीपक दुबे आदि ने सहयोग प्रदान किया।

गणेश महोत्सव का आगाज

भरतपुर । श्री बजरंग सेवक ट्रस्ट द्वारा आयोजित किये जा रहे 36 वें गणेश महोत्सव के कार्यक्रमों का आगाज 08 सितम्बर को श्री गणेशजी के दुग्धाभिषेक के साथ होगा। मीडिया प्रभारी प्रकाश मोहन गुप्ता ने बताया कि गणेश महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में गत दिवस आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार दुग्धाभिषेक समारोह अटलबंध स्थित गणेश मंदिर पर गुरूवार 08 सितम्बर को प्रातः 8 बजे आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि श्री गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना एवं पूजन कार्यक्रम 14 सितम्बर को बापू नगर स्थित आषियाना फ्रेन्डस कॉलौनी पर प्रातःकाल किया जायेगा। इसी दिन सायं अटलबंध गणेश मंदिर पर फूल बंगला झांकी सजाई जाएगी। गुप्ता के अनुसार श्री राधारानी जी का अभिषेक कार्यक्रम 19 सितम्बर को प्रातः 4 बजे किला स्थित श्री मदन मोहन जी टांडा मंदिर परिसर में होगा। 23 सितम्बर को सायं गणेश मंदिर पर ही दीपदान व महाआरती का आयोजन होगा। श्री गणेश विसर्जन शोभायात्रा शुक्रवार दिनांक 25 सितम्बर को निकाली जाएगी जो कि कला मंदिर से प्रारम्भ होकर मथुरा गेट, गंगा मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, कोतवाली होते हुए ब्रह्मचारी बगीची पहुंचेगी जहां श्री गणेश जी की प्रतिमा का देर रात विसर्जन होगा। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक विनोदी कोठारी, हरीशंकर गोयल, नीरज गोयल, जीतेन्द्र अठावाल, लाखन पहलवान, विजय जैन, रूपेन्द्र सिंह, सतीष सिंघल, राजकुमार गोयल, मोहन लाल अठावाल दवाई वाले, मनीष सिंघल आदि बड़ी संख्या में ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे। इससे पूर्व बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष के लिए नन्दकिषोर अठावाल को अध्यक्ष, नरेष ठाकुर को उपाध्यक्ष, रवि तिवारी को मंत्री, भूदेव शर्मा एवं षिवदत्त षर्मा को संयुक्त मंत्री तथा सुरेन्द्र सिंघल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

दस शिक्षक, शिक्षिकाओं का सम्मान

भरतपुर । वाणी प्रदूषण मुति संस्थान द्वारा पाई बाग स्थित राव उच्च प्राथमिक बालिका विधालय अनाह गेट एवं रावप्राव विधायल मछली मोहल्ला में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्स में दस शिक्षक, शिक्षिकाओं का अभिनन्दन किया गया। जिसमें प्रण् अण् संजीव शर्मा , गजेन्द सिंह , शुष्मा शर्मा ,बबीता देवी , शोभा गौड, हेमलता मीणा , रत्ना सिंधल , पायल शर्मा रीना आर्य , एवं इकलेश कुमारी को शॉल , पटका , मोतीमाला ,तुलसी माला पुस्तक , डायरी.पेन ,एवं चन्दन तिलक कर के अभिनन्दन किया गया। विधालय में सभी शिक्षक. छात्र, समस्त स्टाफ अतिथियो को खीर पूडी की दावत भी आयोजक संस्था द्वारा प्रदान की गयी। मुख्य अतिथि लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने कहा कि डॉ ण्सर्व पल्ली राधा कृष्णन की जयंती के रूप में शिक्षक दिवस मनाया जाता है भारतीय सनातंन संस्कृति में गुरू के स्थान और सम्मान को समस्त देवी देवताओं से उच्च बताया गया है। अध्यक्षीय उदवोदन में ओमप्रकाश सिंधल ने वर्तमान में शिक्षा दृशिक्षक की दशा एवं दिशा पर प्रकाश डाला कहा कि शिक्षक सदैव सम्माननीय है केवल आदर्शवान होने की शर्त है। विशिष्ट अतिथि देवेन्द्र चामड समयअभाव के कारण प्रस्थान कर गये। इस अवसर पर हरेन्द्र शर्मा, गिरधारी गुप्ता, जितेन्द्र आजाद प्रमोद गुप्ता आदि उपस्थित हुए। संस्थापक अध्यक्ष ओमप्रकाश आजाद ने कहा कि संस्था 1990 से कि से समाज में प्रेम सदभाव एवं भाईचारे के लिए सतत् कार्य कर रही है ।

निकाय चुनाव में अपनी वोट की ताकत को पहचाने सवर्ण समाज : मकराना

- निर्दलीय प्रत्याशियों को जिताने का आव्हान, यूजीसी एक्ट का भारी विरोध
- मकराना ने बताया कि इस कानून के विरोध में देशभर में आंदोलन चल रहे हैं

गंगापुर सिटी । पुरानी अनाज मंडी स्थित सीताराम मंदिर प्रांगण में सवर्ण समाज समिति ने नगर निकाय चुनाव को लेकर सभा का आयोजन किया। इस सभा में निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन देने का ऐलान किया गया। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल मकराना ने भाजपा-कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों का बहिष्कार करने की अपील की। इस दौरान मौजूद लोगों ने हाथ उठाकर निर्दलीय समर्थित प्रत्याशियों को वोट देने की शपथ ली करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल मकराना ने कहा कि सवर्ण समाज सरकार बनाना जानता है तो उसे हटाना भी जानता है। उन्होंने केंद्र सरकार पर यूजीसी से जुड़े कानून के जरिए छात्रों के भविष्य को खराब करने का आरोप लगाया। मकराना ने बताया कि इस कानून के विरोध में देशभर में आंदोलन चल रहे हैं। भाजपा पार्टी को हम उच्च आसन पर बिठाना जानते हैं तो उसे जमीन पर बिठाना भी जानते हैं। आप अपनी ताकत को पहचाने और वोट के माध्यम से निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन देकर भाजपा कांग्रेस प्रत्याशियों का बहिष्कार करें। उन्होंने उपस्थित जन समुदाय को अपनी-अपने मोबाइल टॉर्च की लाइट जला कर एवं हाथ खड़े करके भाजपा कांग्रेस का बहिष्कार करने के साथ यूजीसी के समर्थक निर्दलीय प्रत्याशियों को जिताने की शपथ दिलाई। रविंद्र जैतवाल ने भी केंद्र सरकार के नए कानूनों से छात्रों के भविष्य पर असर पड़ने की बात कही। उन्होंने समाज से एकजुट होकर निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन देने की अपील की। करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सिंह खजूरी, प्रवक्ता विजेंद्र सिंह और एडवोकेट अनिल मिश्रा ने भी सभा को संबोधित किया।

अनिल मिश्रा ने केंद्र सरकार पर सवर्ण समाज के खिलाफ कानून बनाकर वोट की राजनीति करने का आरोप लगाया। मंच का संचालन चंद्र प्रकाश पाराशर ने किया। सभा में समिति संयोजक अनुज शर्मा, महेश पाल सिंह जादौन, रविंद्र खंडेलवाल, हेमेंद्र बोहरा, महेंद्र गर्ग, प्रवक्ता वेद प्रकाश मंगल, लवली शर्मा और राजेंद्र वैद्य सहित कई पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।

भाजपा का जनसंपर्क अभियान तेज

सूरौठ । नगरपालिका के पहली बार होने जा रहे चुनाव को लेकर भाजपा ने चुनाव प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में भाजपा की पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ने सूरौठ नगरपालिका के वार्ड नंबर 7 में भाजपा प्रत्याशी भारत राजावत के चुनाव कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह देखने को मिल । कार्यालय उद्घाटन के बाद पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने वार्ड नंबर 11, 12 एवं 13 में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क किया गया । जनसंपर्क अभियान में पूर्व सरपंच नत्थू सिंह राजावत,,भाजपा मंडल अध्यक्ष पिंटू सोलंकी, पूर्व मंडल अध्यक्ष भोलेशंकर शर्मा, व भोला राजावत सहित कई भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे ।

हिण्डौन नगर परिषद चुनाव में 134 महिला प्रत्याशी मैदान में

हिंडौन सिटी। नगर परिषद चुनाव में नामांकन स्वीकृत होने के बाद महिला प्रत्याशियों की स्थिति भी सामने आ गई है। स्वीकृत 361 प्रत्याशियों में से 134 महिलाएं चुनाव मैदान में हैं। ये महिला प्रत्याशी नगर परिषद के 60 में से 38 वार्डों में चुनाव लड़ रही हैं। महिला प्रत्याशियों की संख्या के लिहाज से वार्ड 27 सबसे आगे है, जहां 9 महिलाएं चुनाव मैदान में हैं। इसके बाद वार्ड 3 और वार्ड 44 में 8-8 महिला प्रत्याशी हैं। वार्ड 5, 34 और 55 में 6-6 महिला प्रत्याशी चुनाव लड़ रही हैं। वहीं कई वार्ड ऐसे भी हैं, जहां एक-एक महिला प्रत्याशी ही मैदान में है। महिला प्रत्याशियों की मौजूदगी से इन वार्डों में चुनावी मुकाबले के समीकरण भी खासे दिलचस्प नजर आ रहे हैं। वार्ड 1 में चंद्रा कुमारी, वार्ड 2 में शीला देवी, मीरा, मछला देवी और सीमा चुनाव मैदान में हैं। वार्ड 3 में सुमन बानो, गुड्डी, संजीदा बानो, प्रतिभा महावर, समीना बानो, निधि, सुमन और लक्ष्मी सहित 8 महिला प्रत्याशी हैं। वार्ड 4 में मालूकी बाई मीना तथा वार्ड 5 में मोनिका जैन, प्रीती, गीता रानी, अल्पना बेनीबाल, राधा और सोनिया मैदान में हैं।

वार्ड 6 में रेखा जैन, मिथलेश, मिथलेश और निधि जैन, जबकि वार्ड 7 में रश्मि शर्मा, शांति, अंजू, प्रियंका शर्मा और मधु चुनाव लड़ रही हैं। वार्ड 8 में नीतू कुमारी और वार्ड 9 में अंजू जैन प्रत्याशी हैं। वार्ड 10 में रेखा देवी और कनिका तथा वार्ड 13 में रसीदन बानो मैदान में हैं। वार्ड 14 में लच्छो देवी और सुनीता, वार्ड 15 में संतरा, वार्ड 17 में जशोदा देवी तथा वार्ड 18 में मुकेश देवी चुनाव मैदान में हैं। वार्ड 24 में शीला देवी, हरदेई, मुकेशी और मिथलेश महिला प्रत्याशी हैं। वार्ड 27 में सबसे ज्यादा 9 महिला प्रत्याशी हैं। इनमें क्षमा, कमला, कृष्णा महावर, पुष्पा महावर, विधि कोली, राजो, सावित्री, माया महावर और सन्नो शामिल हैं। वार्ड 28 में संजना तथा वार्ड 30 में रेणु, सीमा, हेमलता, ज्योति और जयश्री शर्मा मैदान में हैं। वार्ड 31 में वंदना, राजेश्वरी गुर्जर, गुड़िया और शिवानी अठावाल, वार्ड 32 में सीमा प्रजापत तथा वार्ड 33 में मनीषा गुप्ता चुनाव लड़ रही हैं। वार्ड 34 में मोहिनी गोयल, सावित्री देवी, हेमा, नीलम और मंजू सहित 5 महिला प्रत्याशी हैं। वार्ड 35 में श्वेता शर्मा मैदान में हैं। वार्ड 39 में सोनिया, इमराना, मुन्नी बानो, सायरा बानो और चांदनी, वार्ड 42 में निशा प्रजापत, रीना कुमारी, रिहाना, नीलम, शाहीन और सपना गुर्जर चुनाव लड़ रही हैं।

गंगापुर सिटी के वार्ड नम्बर 12 में त्रिकोणीय मुकाबला

- 16 वार्डों में चतुष्कोणीय मुकाबला, 297 प्रत्याशी मैदान में

गंगापुर सिटी । नगर परिषद आम चुनाव-2026 के लिए 60 वार्डों में कुल 297 प्रत्याशी मैदान में हैं। भाजपा और कांग्रेस के अलावा बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। प्रत्याशी और उनके समर्थक जोर-शोर से प्रचार में जुटे हैं। मतदान 11 सितंबर को होगा।

आजकल युवा एआई की मदद से कुछ ही सेकंड में फोटो और सिंबल वाले पोस्टर बना रहे हैं। वे फेसबुक, व्हाट्सएप और ट्विटर पर अपने पोस्ट और होर्डिंग डालकर वोट और समर्थन मांग रहे हैं। वहीं, कई प्रत्याशी समर्थकों के साथ घर-घर जाकर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं।

नाम वापसी के बाद अब सभी वार्डों में प्रत्याशियों की अंतिम तस्वीर साफ हो गई है और चुनाव प्रचार ने गति पकड़ ली है। कई वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है, जबकि अधिकांश वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवारों की मौजूदगी ने चुनाव को रोचक बना दिया है।

कई वार्डों में कई उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है। नगर परिषद के 60 में से 5 वार्डों में केवल भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच सीधी टक्कर होगी। इनमें वार्ड 2, 3, 6, 48 और 51 शामिल हैं। इन वार्डों में मतदाताओं के सामने दो प्रमुख दलों के प्रत्याशियों में से एक को चुनने का विकल्प होगा। ऐसे में यहां मुकाबला काफी रोचक रहने की संभावना है। 12 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा एक अन्य प्रत्याशी के चुनाव मैदान में होने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

इनमें वार्ड 5, 15, 18, 20, 21, 26, 32, 35, 50, 52, 57 और 58 शामिल हैं। इन वार्डों में तीसरे प्रत्याशी की मौजूदगी से प्रमुख दलों के समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। भाजपा-कांग्रेस के अलावा निर्दलीय उम्मीदवार भी जीत सकते हैं। नगर परिषद के 16 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा दो-दो निर्दलीय प्रत्याशियों के मैदान में होने से चतुष्कोणीय मुकाबला बन गया है। इनमें वार्ड 1, 4, 8, 9, 28, 31, 34, 36, 37, 39, 41, 42, 43, 47, 59 और 60 शामिल हैं। यहां चार प्रमुख उम्मीदवारों के बीच मतों का बंटवारा चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकता है। शेष 27 वार्डों में मुकाबला और अधिक बहुकोणीय है। इन वार्डों में भाजपा और कांग्रेस सहित कुल 187 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

यानी नगर परिषद के आधे से अधिक वार्डों में पांच या उससे अधिक उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें सर्वाधिक 13 प्रत्याशी वार्ड 14 में चुनाव मैदान में हैं। इसके बाद वार्ड 33 में 12 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं 7 वार्डों में 5-5 प्रत्याशी, 10 वार्डों में 6-6 प्रत्याशी, एक वार्ड में 7 प्रत्याशी, 3 वार्डों में 8-8 प्रत्याशी और 4 वार्डों में 9-9 उम्मीदवार मैदान में हैं।

श्यारौली में बारिश से मुख्य सड़क पर भरा पानी

गंगापुर सिटी । वजीरपुर उपखंड क्षेत्र की श्यारौली ग्राम पंचायत में हिंडौन-गंगापुर सिटी मुख्य सड़क पर बारिश के बाद पानी भर गया। सड़क पर पानी जमा होने से वाहनों की आवाजाही पर असर पड़ा। कई वाहन पानी में फंस गए, जिससे सड़क पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई और लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क के दोनों ओर बारिश के पानी की निकासी के लिए नाले तो बने हुए है, लेकिन ग्राम पंचायत के द्वारा समय पर सफाई नहीं कराने के वजह से नालों में मिट्टी भर गई और अब तो नालों का नामो निशान ही खत्म हो गया। इसके बाद ग्राम पंचायत के द्वारा पानी निकासी की सही व्यवस्था नहीं होने से सडक पर एक से डेढ़ फीट तक पानी भरा रहता है। इस वजह से बारिश होते ही पानी सड़क पर जमा हो जाता है। ज्यादा पानी भरने पर छोटे वाहन सवारों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। बड़े वाहन भी पानी के बीच से धीरे-धीरे निकलने को मजबूर होते हैं। जलभराव के कारण कई बार वाहन सड़क पर ही फंस जाते हैं। इससे यातायात पर असर पड़ता है ।

समीकरण बिगड़े

सरमथुरा। नगर पालिका चुनाव में इस बार निर्दलीय प्रत्याशियों ने दोनों बड़ी पार्टियों के समीकरण बिगाड़ दिए हैं। कई वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। टिकट नहीं मिलने से नाराज कई दावेदारों ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। ये प्रत्याशी अपने-अपने वार्डों में पूरी ताकत से प्रचार कर रहे हैं ।

रंगोली बनाकर मतदाताओं को जागरूक किया

वजीरपुर । सतरंगी सप्ताह के तहत निकाय चुनाव 2026 के तहत मतदान करने के लिए मतदाताओं को जागरूकता के तहत रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्लिप सह प्रभारी सोहन लाल गुप्ता(उप प्रधानाचार्य) ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ उप जिला कलेक्टर कार्यालय एवं तहसील वजीरपुर कार्यालय के बाहर रंगोली बनाई गई। इस अवसर पर उप जिला कलेक्टर महिपाल सिंह ने कहा कि मतदान लोकतंत्र के लिए बहुत जरूरी है तथा मतदान बिना लालच के योग्य उम्मीदवार को देना चाहिए, कोई आपको भयभीत करता है तो उसकी सूचना तुरंत कन्ट्रोल रुम पर करे। इस अवसर पर केशव मीना, नमो नारायण मीना, रविन्द्र धनवाल (प्रधानाचार्य), नरेंद्र गुप्ता, सीता वर्मा, गिरीश गुप्ता, रचना जाटव, फोबिया, गुड्डी शुक्ला, सीता बैरवा, सुमन गोयल, प्रियंका शर्मा एवं नागरिक उपस्थित थे।

भरतपुर में चुनाव अधिकारी ने देखी मतदान केन्द्र की व्यवस्थाएं

- मतदान केंद्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

भरतपुर (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी तथा जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने सोमवार को नगर निकाय चुनाव की तैयारियों के तहत नगर पालिका वैर, भुसावर एवं नदबई क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था एवं मतदान दिवस के लिए किए जा रहे आवश्यक बंदोबस्त का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों के निरीक्षण के दौरान मतदाताओं के सुगम आवागमन, मतदान दलों के लिए आवश्यक सुविधाओं तथा मतदान प्रक्रिया के सुव्यवस्थित संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं का भौतिक सत्यापन करते हुए पाई जाने वाली कमियों को मतदान से पूर्व दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं त्रुटिरहित संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्वाचन कार्य में नियुक्त प्रत्येक अधिकारी एवं कार्मिक अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निभाए। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित निर्वाचन प्रक्रिया की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो तथा वे निर्भीक एवं शांतिपूर्ण वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी कर ली जाएं। मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कमियों का तत्काल निराकरण करें। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों से कानून एवं व्यवस्था की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मतदान केंद्रों एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारी पूरी सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ कार्य करें। निर्वाचन से संबंधित प्रत्येक गतिविधि पर प्रभावी निगरानी रखी जाए तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए।

रिटर्निंग अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के साथ की चुनाव तैयारियों की समीक्षा ; जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने वैर, भुसावर एवं नदबई में संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर निकाय चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की । जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए।

सार-समाचार

सचिन पायलट का जन्मदिन केक काटकर मनाया

कैमरी । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस प्रभारी तथा राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट साहब का जन्मदिन सोमवार को कैमरी में उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य शीशराम खटाना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने केक काटकर पायलट साहब के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। साथ ही पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना के नेतृत्व में जगदीश मंदिर पार्क में वृक्षारोपण किया, गौशाला में चारा वितरण, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर फल वितरित कर पायलट साहब के दीर्घायु जीवन की कामना की । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सचिन पायलट के नेतृत्व, संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं जनसेवा के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सचिन पायलट युवाओं के बीच लोकप्रिय जननेता हैं और उनके कुशल नेतृत्व एवं सक्रियता से कांठोस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होता है। पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना ने कहा कि सचिन पायलट का व्यक्तित्व युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनका जन्मदिन सेवा, सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाना हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने सचिन पायलट के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल राजनीतिक जीवन की कामना की। एनएसयूआई के जिला महासचिव भूपेन्द्र खटाना ने कहा कि पायलट साहब के जन्मदिन के अवसर पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी शुभ अवसर को समाज एवं पर्यावरण के हित में मनाना एक सकारात्मक पहल है। लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना, मुरारीलाल नेता, दयाराम ठेकेदार जिंदों का पूरा, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव राजबाई मीना, जगदीश मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष घनश्याम खटाना, कोषाध्यक्ष कैप्टन शीशराम खटाना, सचिव रामविलास धमाड़ी, साहब सिंह, जयसिंह जिंदो का पुरा, समय सिंह धमाड़ी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के कार्यकर्ता गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा सचिन पायलट को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं । कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

पीले चावल बांटकर मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया

भरतपुर । महारानी श्रीजया राजकीय स्नातकोर महाविद्यालय भरतपुर, राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान के निर्देशों की अनुपालना में नगरीय निकाय आम-चुनाव 2026 मे मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अधिक से मतदान करने, मतदान दिवस को आनंदमयी बनाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत 'स्वीप कैलेंडर 2026' के तहत महाविद्यालय के मतदाता जागरूकता क्लब, और छै के संयुक्त तत्वावधान में स्वीप गतिविधि घर घर जाकर पीले चावल बांटना, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करना तथा चुनाव को उत्सव,आनंदपूर्वक मनाने का संदेश देने का कार्यक्रम किया। मतदाता जागरूकता क्लब प्रभारी कुसुम लता के द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं को चुनाव को उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा अपने परिवार और पड़ोस, गली-मोहल्ले के लोगों को मतदान का सही प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। स्वीप कार्यक्रम 2026 के तहत छात्र-छात्राओं ने घर-घर जाकर के मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक किया तथा उनको अपने मत का सही प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। घर घर जाकर पीले चावल बाटकर मतदान के लिए प्रेरित किया, छात्राओं ने अपने अनुभव फोटोज और वीडियो बनाकर शेयर किये।

मतदान और नशामुक्ति का संदेश, जागरूकता रैली निकली

गंगापुर सिटी । मतदाता जागरूकता और नशा मुक्ति रैली निकाली गई। यह रैली राजकीय कॉलेज में स्वीप, एनसीसी, एनएसएस और नशा मुक्ति केंद्र ने मिलकर निकाली। रैली से पहले एक विचार गोष्ठी भी हुई। कार्यक्रम की अध्यक

पीसीबी का मौजूदा खिलाड़ियों के एक बड़े हिस्से पर भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। बोर्ड अब इंग्लैंड में मिली हार को केवल एक खराब दौरे के रूप में नहीं देख रहा, बल्कि इसे टीम के व्यापक पुनर्निर्माण के मौके के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। - शोएब अख्तर

पूर्व पाक गेंदबाज, पाक टीम में चल रहे विवाद को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — केविन पीटरसन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को 2027 वनडे विश्व कप तक इंग्लैंड की पुरुष सीमित ओवर टीम का विशेषज्ञ मेंटर नियुक्त किया गया है। उनकी पहली जिम्मेदारी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला सीमित ओवर दौरा होगा, जिसके बाद टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। पीटरसन ने कहा, मुझे बेहद गर्व है कि मुझे दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप जीतने के सफर में इस टीम की मदद करने के लिए कहा गया है। 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड की जर्सी पहनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और बेहद खास पल है। पीटरसन मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के कोचिंग दल का हिस्सा होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... भारत में एशियन गेम्स (एशियाई खेल) अब तक दो बार आयोजित हुए हैं।

राजस्थान क्रिकेट संघ की वार्षिक साधारण सभा 29 सितम्बर को : आरसीए प्रशासक

आरसीए चुनाव को लेकर प्रक्रिया का अधिकारिक नोटिस जारी : ए.के. पांडे

जयपुर, 7 सितम्बर। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन के लिए नियुक्त प्रशासक वरिष्ठ आईएएस भास्कर ए सावंत (अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग) के निर्देशानुसार आज राजस्थान उच्च न्यायालय में प्रस्तुत शपथ पत्र (एफेडेविट) में दिए गए आरसीए चुनावों की विस्तृत समय सारणी के अनुसार आरसीए की चुनाव प्रक्रिया दिनांक 7 सितम्बर से 29 सितम्बर 2026के दौरान संपन्न किये जायेंगे।

आरसीए प्रशासक द्वारा आज राजस्थान क्रिकेट संघ की वार्षिक साधारण सभा आगामी 29 सितम्बर 2026को आयोजित किये जाने के निर्देश जारी करते हुए चुनाव नोटिस (प्रक्रिया) मय अधिकारिक वोटर लिस्ट व ऑडिटेट अकाउंट की सूचना आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो को ईमेल व स्पीड पोस्ट के माध्यम से जारी किया गया। प्रशासक द्वारा 29 सितम्बर को आरसीए एजीएम आयोजित किये जाने के निर्देश जारी करने के पश्चात आरसीए चुनाव संपन्न कराने हेतु नियुक्त चुनाव अधिकारी ऐ के पांडे - पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त ने आरसीए चुनाव प्रक्रिया को दिनांक 7 सितम्बर से 29 सितम्बर 2026 के दौरान संपन्न करने, चुनाव का नोटिस (प्रक्रिया) मय अधिकारिक वोटर लिस्ट व ऑडिटेट अकाउंट की सूचना आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो को ईमेल व स्पीड पोस्ट के माध्यम से जारी किया गया। चुनाव अधिकारी ने 3 नए जिलों को आरसीए वोटर लिस्ट में शामिल किया है। इनमें खैरथल तिजारा, कुचामन डीडवाना और बालोतरा नए जिलों को शामिल किया गया है।

चुनावी कार्यक्रम के अनुसार- 7 सितंबर को चुनाव कार्यक्रम जारी करने के साथ जनरल मीटिंग का नोटिस भी जारी किया गया है। इसके बाद सबसे अहम चरण मतदाता सूची को लेकर होगा। 12 से 16 सितंबर तक मतदाता सूची पर आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। इन आपत्तियों पर 16 से 21 सितंबर तक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष सुनवाई होगी। इसके बाद 23 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। अंतिम सूची सामने आने के बाद राजस्थान क्रिकेट की सियासत में असली जोड़-तोड़ शुरू होने की संभावना है।

24 को नामांकन, 28 तक नाम वापस लेने का मौका

अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के अगले दिन 24 सितंबर को उम्मीदवार नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 25 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और इसी दिन पात्र उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। उम्मीदवारों के पास 28 सितंबर तक नाम वापस लेने का मौका रहेगा। ऐसे में चुनाव निर्विरोध नहीं होता और मतदान की स्थिति बनती है तो 29 सितंबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान के साथ ही उसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

तीन नए जिले शामिल करने से बढ़े वोटिंग राइट

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में अब तक 33 जिला संघ थे। इनके अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सचिव तीन में से कोई भी चुनावी मैदान में उतर सकता था। जबकि सिर्फ सचिव के पास वोटिंग राइट होता था। चुनाव अधिकारी और प्रशासक ने तीन नए जिलों को शामिल कर दिया है। ऐसे में अब 108 लोग फिलहाल आरसीए चुनाव लड़ने योग्य हैं। आरसीए वोटर में 36 जिला सचिव के साथ ही राजस्थान से इंडिया खेलने वाले 2 खिलाड़ी पंकज सिंह और गगन खोड़ा भी वोट दे सकेंगे।

जय शाह के ग्लोबल विजन के तहत भारत बनाम जापान ट्वंटी-20 मैच क्रिकेट विस्तार की बड़ी पहल : सैकिया

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि भारत और जापान के बीच इस महीने होने वाला एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नये दर्शकों को जोड़कर क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की दिशा में अहम कदम बताया। जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों से पहले भारत और जापान पहली बार 22 सितंबर को जापान में ऐतिहासिक टी20 मैच खेलेंगे। मैच तोचिगी प्रांत के सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर खेला जायेगा।

सुजुकी कप के तहत होने वाला यह मैच भारत और जापान के राजनयिक रिश्तों की 75वीं सालगिरह पर आयोजित किया गया है। सैकिया ने कहा कि क्रिकेट को नये क्षेत्रों में ले जाने के आईसीसी अध्यक्ष जय शाह के प्रयासों के तहत इस मैच का आयोजन किया गया है। सैकिया ने एक्स पर लिखा ,'' क्रिकेट का वैश्विक सफर उन पलों से आकार ले रहा है जो इस खेल को इसकी पारंपरिक सीमाओं से आगे ले जाते हैं। 22 सितंबर 2026 को होने वाला भारत-जापान टी20 मैच भी ऐसा ही एक पल है, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को जापान तक ले जा रहा है, नए दर्शकों से जोड़ रहा है और अपार संभावनाओं वाले इस क्षेत्र में खेल की मौजूदगी को मजबूत कर रहा है।''

उन्होंने आगे लिखा यह श्री जय शाह के उस विजन और जमीनी काम को पहचानने का भी मौका है जो उन्होंने बीसीसीआई सचिव और अब आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेट के भविष्य में इसके वैश्विक विकास को सबसे अहम जगह देने के लिए किया है।'' भारत टी20 विश्व कप चैम्पियन और नंबर एक टीम है जबकि जापान आईसीसी टी20 रैंकिंग में 41वें स्थान पर है। भारत की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे जबकि उपकप्तान तिलक वर्मा, स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन भी टीम में हैं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : ईशान किशन का तूफानी दोहरा शतक, ईस्ट जोन ने पहली पारी में बनाए 708 रन

चेन्नई, 7 सितंबर। कप्तान ईशान किशन की 270 रन की शानदार पारी और कुमार कुशाग्र के शतक की बदौलत ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है। चेपॉक में मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को ईस्ट जोन की पहली पारी 708 रन पर समाप्त हुई। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चेपॉक के मैदान पर यह तीसरा मौका है, जब किसी टीम ने 700 से अधिक रन बनाए हैं।

385 रन पर चार विकेट से आगे खेलने उतरी ईस्ट जोन की टीम ने दूसरे दिन भी शुरुआत से ही तेजी से रन बनाए। साउथ जोन ने एक ओवर के बाद ही नई गेंद ले ली, लेकिन मोहम्मद सिराज और एमडी निधीश विकेट हासिल नहीं कर सके। ईशान किशन ने सिराज के ओवर में लगातार चौके लगाकर शुरुआत की और निधीश को भी निशाना बनाया।

कुमार कुशाग्र ने भी उनका साथ दिया और दोनों बल्लेबाजों ने साउथ जोन के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। त्रिपुराना विजय और श्रेयस गोपाल को स्पिन के लिए उतारा गया, लेकिन इसका भी कोई खास असर नहीं हुआ। कुशाग्र ने श्रेयस गोपाल की गेंद पर चौके लगाकर अपना छठा प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। वह 101 रन बनाकर आउट हुए।

कुशाग्र के आउट होने के बाद भी किशन ने आक्रामक अंदाज जारी रखा। उन्होंने श्रेयस गोपाल के एक ओवर में तीन चौके जड़े और महज 270 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। इसके बाद किशन ने तेजी से 250 रन का आंकड़ा पार किया और टीम को 600 रन के पार पहुंचाया। साउथ जोन को उम्मीद थी कि ईस्ट जोन जल्द पारी घोषित कर देगा, लेकिन किशन के इरादे कुछ और थे। थकान के कारण उन्हें कुछ समय के लिए रिटायर होना पड़ा। बाद में मोहम्मद शमी के 28 रन पर आउट होने के बाद किशन फिर मैदान पर लौटे और दुर्लभ तिहरा शतक पूरा करने की कोशिश की।

दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरने के कारण किशन की तिहरे शतक की उम्मीद पूरी नहीं हो सकी। वह लॉन्ग ऑन के पास कैच देकर 270 रन पर आउट हुए और 300 रन से 30 रन दूर रह गए। उनकी पारी ने ईस्ट जोन को 708 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 708 रन के जवाब में साउथ जोन के सामने अब थके हुए गेंदबाजों के बाद चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक ईस्ट जोन ने खिताब पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

महिला एशिया कप : पाक कप्तान सना पर जुर्माना

दुबई, 7 सितंबर। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना पर भारत के खिलाफ महिला एशिया कप मुकाबले के दौरान शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद विदाई इशारा (सेंड ऑफ) करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। फातिमा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के स्तर-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। उन्होंने अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया, जो बल्लेबाज के आउट होने के बाद ऐसे शब्दों, हरकतों या इशारों से संबंधित है, जो उसे अपमानित करें या आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हैं। यह घटना भारत की पारी के दौरान शैफाली वर्मा के आउट होने के बाद हुई। फातिमा ने शैफाली का कैच लेने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया था। यह 24 महीने की अवधि में फातिमा का दूसरा अपराध है। इसके साथ ही उनके डिमेरिट अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

आईओए विशेष बैठक में एनएसजीए 2025 के अनुरूप संविधान संशोधनों पर लगाएगा मुहर

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) मंगलवार को यहां होने वाली अपनी आम सभा की विशेष बैठक (एसजीबीएम) में अपने संविधान में राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम (एनएसजीए) 2025 के अनुरूप किए गए बदलावों को मंजूरी देगा। आईओए की कार्यकारी समिति ने 19 अगस्त को यहां हुई बैठक में अपने मौजूदा संविधान में किए गए संशोधनों को मंजूरी दे दी थी। आईओए के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, ''यह महज औपचारिकता होगी और एसजीबीएम में बदलावों को मंजूरी देने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। बैठक छोटी होगी।'' पता चला है कि आईओए के संशोधित संविधान का शुरुआती मसौदा पहले ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) को भेजा जा चुका है। आम सभा आईओए के चुनाव की संभावित तारीख पर भी चर्चा करेगी जो दिसंबर में होने हैं। दिग्गज फर्राटा धाविका पीटी उषा की अगुवाई वाले मौजूदा पदाधिकारियों को 10 दिसंबर 2022 को चार साल के कार्यकाल के लिए चुना गया था। नए पदाधिकारियों के चुनाव से पहले खिलाड़ी आयोग का पुनर्गठन करना होगा और 'स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ मेरिट' का चयन करना होगा जिससे कि वे पदाधिकारियों के चुनाव के लिए आम सभा के मतदान करने वाले सदस्य बन सकें। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के अनुरूप खुद को ढालने के लिए आईओए के सामने कुछ पेचीदा मुद्दे हैं जिनमें उम्र और कार्यकाल से जुड़े दिशानिर्देश भी शामिल हैं। सरकार ने इसे जनवरी में अधिसूचित किया था। आईओए के मौजूदा संविधान के अनुसार चुनाव की तारीख तक 70 वर्ष की आयु पूरी कर चुका कोई सदस्य पदाधिकारी के किसी पद के लिए पात्र नहीं है। हालांकि एनएसजीए के तहत 70 से 75 वर्ष की आयु वाला व्यक्ति भी चुनाव लड़ सकता है या नामांकन मांग सकता है, बशर्ते अंतरराष्ट्रीय चार्टर और नियम इसकी अनुमति देते हों। आईओए के संविधान में यह भी प्रावधान है कि कोई सदस्य लगातार दो कार्यकाल से अधिक समय तक पदाधिकारी के एक या अधिक पद पर नहीं रह सकता।

यूएस ओपन : अल्काराज ने टॉमी पॉल को हराया

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। अल्कराज इस साल फ्लशिंग मीडोज में लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अब तक शानदार फॉर्म दिखाई है। टॉमी पॉल पर जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 18 मैच तक पहुंच गया है। अल्कराज ने कहा, मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस समय मेरा स्तर कहां है। टॉमी को हराना हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया देता है और इससे पता चलता है कि आप इस समय किस स्तर पर हैं।

अरुणाचल प्रदेश से 3-1 से हारी राजस्थान टीम

नारायणपुर, 7 सितम्बर। नारायणपुर में आयोजित जूनियर बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप ट्रॉफी में राजस्थान की टीम को सेमीफाइनल मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश की मजबूत टीम के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, पूरी प्रतियोगिता में राजस्थान टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। लंबे समय के बाद राजस्थान की टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत से ही अरुणाचल प्रदेश की टीम ने राजस्थान पर लगातार आक्रमण किए। राजस्थान की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने शानदार बचाव करते हुए कई हमलों को नाकाम किया। इसके बावजूद मैच के 16वें मिनट में अरुणाचल प्रदेश की टीम ने पहला गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी आक्रामक खेल दिखाया और लगातार हमले किए। मैच के 26वें मिनट में अरुणाचल प्रदेश ने एक और गोल कर अपनी बढ़त 2-0 कर ली। राजस्थान ने हार नहीं मानी और शानदार वापसी करते हुए मैच के 45वें मिनट में हर्षवर्धन ने गोल कर स्कोर 2-1 कर दिया।

मध्यांतर के बाद दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर लगातार हमले किए। मुकाबला काफी रोमांचक रहा। इसी दौरान अरुणाचल प्रदेश की टीम ने एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद राजस्थान के खिलाड़ियों ने कई जोरदार हमले किए, लेकिन गोल करने में सफलता नहीं मिल सकी।

अंततः राजस्थान टीम को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा और उसका प्रतियोगिता में सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। लंबे समय बाद सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली राजस्थान टीम के सभी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

फीफा चुनाव 2027 बना जियानी इन्फेंटिनो के लिए अग्निपरीक्षा, घटते समर्थन और कानूनी लड़ाईयों के बीच पेश की दावेदारी

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर अब काफी हद तक विराम लगता दिख रहा है। नेतृत्व को लेकर बढ़ती आलोचना और संभावित कानूनी कार्रवाई के बीच इन्फेंटिनो ने साफ कर दिया है कि वह अगले साल होने वाले फीफा अध्यक्ष पद के चुनाव में फिर से अपनी दावेदारी पेश करेंगे। फीफा ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उनके चुनाव लड़ने की योजना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फीफा के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि इन्फेंटिनो 2027 में अध्यक्ष पद के लिए दोबारा चुनाव लड़ेंगे। इससे कुछ घंटे पहले ही पोलैंड में अंडर-20 महिला विश्व कप के दौरान इन्फेंटिनो से उनके राजनीतिक और संगठनात्मक भविष्य को लेकर सवाल पूछे गए थे, लेकिन उन्होंने सीधे तौर पर कोई जवाब देने से परहेज किया था। बता दें कि 56 वर्षीय जियानी इन्फेंटिनो ने इसी साल अप्रैल में ही 2027 के चुनाव में दोबारा उतरने की घोषणा कर दी थी। हालांकि, पिछले कुछ समय में फीफा के भीतर और उसके बाहर उनके नेतृत्व को लेकर असंतोष बढ़ा है। खास तौर पर विश्व कप से जुड़े कमर्शियल अधिकारों को निजी निवेशकों को देने की उनकी योजना को लेकर कई फुटबॉल संगठनों और आलोचकों ने सवाल उठाए हैं। इन्फेंटिनो ने कहा कि इस विषय पर बहुत कुछ कहने को है, लेकिन उसके लिए सही जगह और सही समय होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उस दिन उनका ध्यान फुटबॉल पर था और फीफा दुनिया के हर हिस्से को फुटबॉल में भाग लेने का अवसर देने के लिए काम करता रहेगा।

जिला क्रिकेट संघ दौसा : अंडर-19 टीम दौसा ने चित्तौड़गढ़ को 109 रनों से हराया

जयपुर, 7 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा अंडर-19 टीम के लीग मैच का आखिरी पांचवा मुकाबला आज जयपुर में लक्ष्य क्रिकेट ग्राउंड पर चित्तौड़गढ़ से हुआ जिसमें दौसा ने 109 रनों से जीत दर्ज की है दौसा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर निर्धारित 50 ओवर में 212 रन बनाएं दौसा की ओर से योगेश सैनी ने दोबारा लगातार अर्धशतक लगाया योगेश सैनी ने 66 रनों की पारी खेली, लक्ष्य का पीछा करते हुए चित्तौड़गढ़ की टीम महज 30 ओवर में 106 रन पर ऑल आउट हो गई और दौसा टीम के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी की आदित्य भट्ट ने चार विकेट लिए योगेश मेरोठा ने 3 विकेट और कप्तान जतिन

सैनी ने दो विकेट लिए और अविनेश गुप्ता ने एक विकेट लिया और दौसा टीम ने यह मुकाबला 106 रनों से जीत लिया। इससे पूर्व दौसा का चौथा मैच बारिश से बाधित हुआ। सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा जिले में जिले के ही मूलनिवासी खिलाड़ियों को ही खिलाया जा रहा है हमने कोई प्रोफेशनल खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल नहीं किया है इनको तीन साल से खूब मौके दिए जा रहे।

राज्य स्तरीय अंडर-19 डूंगरपुर ट्रॉफी : दौसा, बांसवाड़ा, सिरोही, झुंझुनूं, अलवर, अजमेर जीती

जयपुर, 7 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी व राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता के आज खेले गए लीग मैचों के परिणाम :- राज्य स्तरीय अंडर 19 डूंगरपुर ट्रॉफी (दौसा, बांसवाड़ा, सिरोही, जालोर, अलवर, अजमेर जीती), अजमेर - चूरू मैच (अजमेर जीती), करौली - बांसवाड़ा मैच (बांसवाड़ा जीती), सिरोही - डूंगरपुर मैच (सिरोही जीती), बारां - अलवर मैच (अलवर जीती), दौसा - चित्तोड़ मैच (दौसा जीती), जालोर - पाली मैच (जालोर मैच), बूंदी - बीकानेर मैच (बीकानेर जीती), झुंझनू-राजसमंद (झुंझनू जीती)।

किशन एम. रूंगटा मेमोरियल गोल्फ में पुष्पेंद्र राठौर विजेता, डॉ. देवेंद्र उप विजेता

जयपुर, 7 सितम्बर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित मासिक मेडल आठवें संस्करण के किशन एम रूंगटा मेमोरियल गोल्फ प्रतियोगिता में डॉ देवेंद्र कुमार ने 0 से 09 हैंडीकैप वर्ग में 37 अंक प्राप्त कर उप विजेता बने। वहीं इसी वर्ग में पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ 38 अंकों के साथ विजेता बने। 10 से 16 हैंडिकैप्ड संवर्ग में विनोद कुमार शर्मा विजेता और प्रियांशु मॉडगिल उपविजेता रहे। अन्य हैंडिकैप्ड संवर्ग 17 से 24 में विजेता गौरव भल्ला और अनुज लोहारिया विजेता बने। प्रो ग्रॉस विनर श्रेणी में मनोविराज शेखावत विजेता व गिरिराज खड़का उपविजेता रहे। एमेच्योर ग्रॉस विजेता कृष यादव और उप विजेता दीप करण सिंह रहे। टूर्नामेंट में बेस्ट लीजेंड गोल्फर श्रेणी में डॉ एच एस भसीन, बेस्ट सीनियर गोल्फर श्रेणी में सतीश राजोरिया, बेस्ट लेडी गोल्फर में ईवा सोनी विजेता रहे।

डूरंड कप चैम्पियन ईस्ट बंगाल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सौंपी प्रेसिडेंट्स कप ट्रॉफी

नई दिल्ली, 7 सितंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में डूरंड कप-2026 की विजेता टीम ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब को प्रेसिडेंट्स कप की ट्रॉफी सौंपी। ईस्ट बंगाल ने अगस्त में खेले गए 135वें डूरंड कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह ईस्ट बंगाल का डूरंड कप में 17वां खिताब था। इस जीत के साथ ईस्ट बंगाल ने सबसे ज्यादा डूरंड कप खिताब जीतने के मामले में मोहन बागान की बराबरी कर ली।

डिफेंडिंग चैम्पियन हनुमानगढ़ को पेनल्टी शूटआउट में हराकर जयपुर बना राजस्थान का नया राज्य चैम्पियन

चूरू, 7 सितम्बर। राजस्थान राज्य सब-जूनियर बालक फुटबॉल चैम्पियनशिप के फाइनल में जयपुर जिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन डीएफए हनुमानगढ़ को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर राजस्थान का नया राज्य चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और निर्धारित समय तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। मुकाबला 0-0 पर समाप्त होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। जयपुर की ओर से गीतांश, श्रीवत्स, स्वस्तिक और राघव ने अपनी पेनल्टी को गोल में बदलते हुए टीम को 4-3 से जीत दिलाई। पेनल्टी शूटआउट में नव्या मित्तल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हनुमानगढ़ की दो पेनल्टी बचाईं, जो जयपुर की खिताबी जीत में निर्णायक साबित हुईं। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का मैन ऑफ द मैच चुना गया।

पूरे टूर्नामेंट में जयपुर के मुख्य गोलकीपर आरव ने सभी मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी बेहतरीन गोलकीपिंग के लिए उन्हें टूर्नामेंट का बेस्ट गोलकीपर चुना गया। जयपुर ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाया, जो टीम की मजबूत डिफेंस और गोलकीपिंग का प्रमाण है। इस ऐतिहासिक अभियान में मुख्य प्रशिक्षक हर्ष चौधरी के नेतृत्व और रणनीतिक योजना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। क्वार्टरफाइनल में कोटा और सेमीफाइनल में अजमेर को हराने के बाद जयपुर ने फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन हनुमानगढ़ को मात देकर खिताब अपने नाम किया। टीम के सफल अभियान में टीम मैनेजर जीवन थापा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जयपुर टीम की सिलेक्शन कमेटी में सतीश जांगिड़ और हितेश शर्मा महत्वपूर्ण सदस्य रहे। सतीश जांगिड़ राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के टेक्निकल डायरेक्टर हैं और राजस्थान में फुटबॉल के विकास तथा खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचानने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। वहीं हितेश शर्मा अपने खेल के समय के शानदार और अनुभवी फुटबॉलर रहे हैं। उनका लंबा खेल अनुभव और तकनीकी समझ युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा का आकलन करने में महत्वपूर्ण रही।

जयपुर की इस शानदार उपलब्धि पर जयपुर के सीनियर खिलाड़ियों ने पूरी टीम को बधाई दी और खिलाड़ियों एवं कोचिंग स्टाफ के प्रदर्शन की सराहना की। जयपुर ने शानदार टीमवर्क, अनुशासन और जीत की मानसिकता के साथ पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राजस्थान राज्य सब-जूनियर फुटबॉल का खिताब अपने नाम किया।

आरपीसी कप के फाइनल में टीम जयपुर रही विजेता, नाइट पोलो देखने उमड़ी दर्शकों की भारी भीड़

जयपुर, 7 सितंबर। सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत सोमवार रात को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर आरपीसी कप टूर्नामेंट (04 गोल्स) का फाइनल खेला गया। यह मुकाबला फ्लडलाइट्स की रोशनी में टीम जयपुर और टीम रामबाग/मेफेयर पोलो के बीच आयोजित हुआ। मुकाबले में टीम जयपुर 11-6 के स्कोर से टीम रामबाग/मेफेयर पोलो को हराकर टूर्नामेंट की विजेता बनी। नाइट पोलो को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। राजस्थान पोलो क्लब में मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पद्मनाभ सिंह ने कहा कि "आज नाइट पोलो मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उमड़े, जो लोगों के बीच पोलो के खेल की लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक गुरुवार और शनिवार को नाइट पोलो मैच आयोजित किए जाएंगे।" विजेता टीम जयपुर से पद्मनाभ सिंह ने 6 गोल, कुलदीप सिंह राठौड़ ने 3 गोल और विश्वराज सिंह राठौड़ ने 2 गोल हासिल किए। टीम से अक्षय मलिक भी खेले। वहीं, टीम रामबाग/मेफेयर पोलो की ओर से हुर्र अली ने 3 गोल, प्रताप सिंह कानोता ने 2 गोल और सिद्धांत सिंह ने 1 गोल किया। टीम में अनय शाह भी शामिल रहे।

आरपीसी कप- (4 गोल्स) के लिए आज से शुरु होंगे मुकाबले- सितंबर जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत मंगलवार से सीजन के दूसरे टूर्नामेंट आरपीसी कप- (4 गोल्स) की शुरुआत होगी। इस टूर्नामेंट के पहले मैच 8 सितंबर, मंगलवार को पीपीसी ग्राउंड न. 3 पर खेले जाएंगे। पहला मुकाबला शाम 4 बजे टीम रामबाग/कानोता/मेफेयर पोलो और टीम मेफेयर पोलो एस्टेट के बीच होगा। वहीं, दूसरा मुकाबला शाम 5 बजे टीम वी पोलो और टीम आरपीसी-सीएवी के बीच खेला जाएगा।

मुख्यमंत्री के अलवर-भरतपुर रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी

कांग्रेस की तरह समय खराब नहीं किया, दो माह में निकाय-पंचायत चुनाव हो जाएंगे- भजनलाल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 7 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अलवर और भरतपुर में नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया।

बाजारों से जब मुख्यमंत्री का काफिला निकला तो लोगों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने "वन स्टेट-वन इलेक्शन" को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और भाजपा के कार्यकाल की तारीफ की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 2 माह में निकाय और पंचायतों के चुनाव एक साथ हो जाएंगे, हमने कांग्रेस की तरह जनता का समय खराब नहीं किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अलवर के प्रमुख बाजारों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया।

अलवर में हैलीपेड पर केन्द्रीय मन्त्री भूपेन्द्र यादव, वन मंत्री संजय शर्मा, पूर्व सांसद डॉ. कर्ण सिंह यादव व अन्य नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सबसे पहले मुख्यमंत्री ने शहर के प्रमुख मंदिर श्री जगन्नाथजी महाराज के चरणों में पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने शहर में एक रोड शो निकाला।

मुख्यमंत्री का काफिला जब अलवर के प्रमुख बाजारों से गुजरा तो लोगों ने फूल बरसाए। इसी दौरान वन राज्य मंत्री की अचानक तबियत खराब हो गई, जिसके चलते वे कुछ समय के लिए गाड़ी में ही बैठ गए।

- **दोनों शहरों के प्रमुख मार्गों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के रोड शो के दौरान लोगों ने फूल बरसा के स्वागत किया।**

इसी तरह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर में नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो निकाला। यहाँ भी मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में आमजन उमड़े और जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

रोड शो के बाद मुख्यमंत्री ने भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली तथा सभी से एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशियों को जिताने एवं सभी निकायों में भाजपा का बोर्ड बनाने का आव्हान किया।

जर्मनी के चुनाव में "नैशनलिज़्म" की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और कहते हैं कि नाज़ी दौर से उनका कोई लेना-देना नहीं है। आज के जर्मनों को अपराधबोध और अपने देश को लेकर शर्म की भावना से दबे रहने की जरूरत नहीं है।

जीतने वाली पार्टी के नेता ने कहा है कि "नैशनल प्राइड दुनिया की सबसे सामान्य चीज है" और यह भावना जर्मनी में वापस आनी चाहिए।

इस जीत का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पहली बार किसी कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी ने ऐसी जीत हासिल की है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जर्मनी की राजनीति की पूरी बुनियाद की बुराई करती है और उसे गलत साबित करती है।

जर्मनी की मुख्यधारा की सभी राजनीतिक पार्टियों ने 1930 के दशक के जर्मन इतिहास, नाज़ी शासन और उसकी नीतियों की स्पष्ट रूप से निंदा की है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी की मुख्यधारा की राजनीति पर राष्ट्रीय अपराधबोध की भावना हावी रही, जो राष्ट्रीय गौरव को नकारने जैसा था।

एएफडी इन सभी से इनकार करती है और कहती है कि राष्ट्रीय गौरव जायज़ है और देश की पहचान का जरूरी हिस्सा है। बीबीसी ने सैक्सोनी-आनहाल्ट में पार्टी के एक समर्थक के हवाले से कहा, जर्मनी विचारकों और कवियों का देश है। इसलिए नाज़ी दौर के नरसंहार और युद्ध के इतिहास को लेकर शर्म से दबे रहने की कोई जरूरत नहीं है।

प्रैक्टीकल पॉलिटिक्स में एएफडी "जर्मनी जर्मनों के लिए" थीम के साथ "रीमाइग्रेशन" की एक नई सरकारी पॉलिसी का प्रस्ताव कर रही है। राजनेता यह सोच रहे हैं कि क्या इसका मतलब बड़े पैमाने पर लोगों को देश से बाहर भेजना है। यह जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल की नीतियों को पलटने का संकेत है। मर्केल ने सीरिया में युद्ध से भाग रहे शरणार्थियों के लिए जर्मनी की सीमाएं खोल दी थीं।

मर्केल का फैसला वास्तव में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से चली आ रही जर्मनी की उदार प्रवासन नीति की ही एक कड़ी था।

युद्ध ने जर्मनी की काम करने की उम्र वाली आबादी के एक बड़े हिस्से को खत्म कर दिया था। युद्ध के बाद की सरकारों ने काम करने के लिए लोगों को, खास तौर पर तुर्की से, बड़ी संख्या में आने की अनुमति दी थी। इन लोगों को "गेस्ट वर्कर", यानी अतिथि श्रमिक कहा जाता था। इनमें से बहुत से अतिथि श्रमिक और उनके बच्चे जर्मन समाज में घुल-मिल गए।

इस संवाददाता को 1984 में पूर्वी जर्मनी के कई क्षेत्रों की अपनी यात्रा याद है। यह यात्रा कई महीनों तक चले एक स्टडी प्रोग्राम और पश्चिम बर्लिन में रहने के दौरान की गई थी। उस समय का पूर्वी जर्मनी, जो पूर्व सोवियत संघ के कम्युनिस्ट शासन के अधीन था, पश्चिमी जर्मनी की तुलना में निश्चित रूप से एक जर्जर, गरीब और बदहाल देश लगता था।

बाद में कई बार, इस देश की यात्रा के दौरान, जो अब एकजुट जर्मनी बन चुका था, इस संवाददाता ने एक नई वास्तविकता देखी। पूर्वी जर्मनी के वे लोग जो कभी समृद्ध और अधिक स्वतंत्र पश्चिमी हिस्से में जाने की कोशिश करते रहते थे, अब पुरानी यादों में जी रहे थे। पूर्वी जर्मनी के लोगों को ऐसा महसूस होने लगा था कि उनके साथ दूसरे दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार हो रहा है। वे लोग पूर्वी जर्मनी के उन दिनों को याद कर रहे थे, जब ज़िंदगी ज्यादा सुरक्षित थी, भले ही वे उतने अमीर नहीं थे।

इस संवाददाता को दिल्ली में पूर्वी जर्मनी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक जर्मन राजनयिक मित्र की भी याद है। जब पूर्वी जर्मनी में उनके गृह नगर में उनसे मुलाकात हुई, तो मैंने उन्हें बहुत साधारण और आर्थिक तंगी वाली जिंदगी जीते हुए पाया। इसके मुकाबले दिल्ली में उनके पास एक बड़ा बंगला, कई कर्मचारी और राजनयिक कार थी।

अपने देश में वे लगातार हो रही बारिश से बचने के लिए सिर्फ एक छाता रख सकते थे और आने-जाने के लिए यू-बान, यानी भूमिगत मेट्रो का इस्तेमाल करते थे। एक स्थानीय कंपनी में छोटी-सी नौकरी से उनका गुजारा चलता था।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि पूर्वी जर्मनी के लोग अब ए.एफ.डी. पार्टी को सत्ता में ला रहे हैं। यह आम जर्मन लोगों की तरफ से नौकरी, जीवन और अपनी मूल जर्मन पहचान को बनाए रखने की कोशिश है।

'लगता है ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थगित कर दिया। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि नई प्रक्रिया पूरी होने तक खनन की कोई नई अनुमति या मौजूदा पट्टों का नवीनीकरण नहीं किया जाए।

उच्चस्तरीय समिति का गठन मई में कहीं ज्यादा व्यापक जिम्मेदारियों के साथ किया गया था। उसे अरावली के पूरे क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करने, एक समान परिभाषा सुझाने और खनन तथा विकास कार्यों के पर्यावरणीय और अन्य प्रभावों का आकलन करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

समिति ने 28 फरवरी 2027 तक का समय मांगा था। उसका कहना था कि इस काम के लिए अतिरिक्त आंकड़ों, क्षेत्र में जाकर उनकी पुष्टि करने, विशेष विश्लेषण क्षमता और विशेषज्ञों की राय की जरूरत है।

राहुल गांधी ने राज्यों के प्रभारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अधिकार मिलने पर वे उसी तरह की गुटबाजी को नियंत्रित कर सकते हैं, जिसका उन्हें खुद सामना करना पड़ा था।

पंजाब से जुड़ा एक और दिलचस्प पहलू है। पायलट के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ लंबे समय से अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। 2021 में अमरिंदर को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद, घटनाओं की एक ऐसी श्रृंखला शुरू हुई, जिसके अंत में चन्नी मुख्यमंत्री बने और 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई।

अमरिंदर अब कांग्रेस में नहीं हैं, इसलिए उनके साथ पायलट के संबंध से संगठन के स्तर पर पायलट को सीधे बहुत फायदा नहीं मिलेगा। अगर पायलट की जिम्मेदारी एक परीक्षा है, तो रणदीप सिंह सुरजेवाला की जिम्मेदारी भरोसे का प्रमाण है। सुरजेवाला उस समय एआईसीसी के प्रभारी थे, जब कांग्रेस ने 2023 में कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में से 135 सीटें जीती थीं। इस जीत के बाद मुख्यमंत्री चुनने का मुश्किल सवाल सामने आया था कि सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार में से किसे मुख्यमंत्री बनाया जाए। तीन साल बाद दूसरा और उससे भी ज्यादा संवेदनशील बदलाव तब हुआ, जब सिद्धारमैया ने पद छोड़ा और शिवकुमार ने इस साल 3 जून को मुख्यमंत्री पद संभाला। सुरजेवाला इस बदलाव को संभालने में भी गहराई से शामिल थे। इसी रिकॉर्ड से समझ आता है कि हाईकमान ने उन्हें कर्नाटक से नहीं हटाया और उनके पास गुजरात की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दे दी।

गुजरात में सुरजेवाला की जिम्मेदारी कर्नाटक से काफी अलग है। उन्हें 2027 के चुनाव से पहले कमजोर राज्य संगठन को ऐसी स्थिति में लाना है, जिससे वह संभावित सरकार की तरह दिखाई दे। बघेल का पंजाब से असम जाना अलग तरीके से देखा जाना चाहिए।

बघेल ने असम के लगातार दो विधानसभा चुनावों में काम किया है। 2021 में उनकी छत्तीसगढ़ टीम को बूथ स्तर की तैयारियों और संगठनात्मक प्रशिक्षण के लिए बड़े पैमाने पर लगाया गया था। 2026 में वे कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों में से एक के रूप में फिर असम गए। अब प्रभारी महासचिव के रूप में उनकी नियुक्ति से उन्हें उस संगठन की औपचारिक जिम्मेदारी मिल गई है, जिसे वह पहले से जानते हैं। इससे असम में प्रियंका की भूमिका भी मजबूत होती है।

छत्तीसगढ़ के नए प्रभारी सुखदेव भगत झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी और आदिवासी नेता हैं। वे वर्तमान में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित लोहरदगा लोकसभा सीट से सांसद हैं। झारखंड से एक आदिवासी नेता को आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ भेजना कोई संयोग नहीं है। यह आदिवासी प्रतिनिधित्व पर राहुल के व्यापक जोर के अनुरूप है। सिरीवेल्ला प्रसाद की महाराष्ट्र में नियुक्ति ज्यादा चौंकाने वाली है।

आंध्र प्रदेश के इस नेता ने तमिलनाडु और झारखंड समेत कई राज्यों में एआईसीसी सचिव और सह-प्रभारी के रूप में काम किया है, लेकिन महाराष्ट्र उनके लिए राजनीतिक रूप से काफी बड़ी जिम्मेदारी है। प्रसाद महाराष्ट्र की स्थानीय गुटबाजी से जुड़े नहीं हैं, जो उनके लिए फायदे की बात हो सकती है। वे किसी मौजूदा गुट का हिस्सा बने बिना हाईकमान के प्रतिनिधि के रूप में काम कर सकते हैं। पी.वी. मोहन का आंध्र प्रदेश जाना भी इसी तरह की स्थिति दिखाता है। आंध्र प्रदेश में मोहन को एक अलग तरह की जिम्मेदारी मिली है। महाराष्ट्र के विपरीत, वहां कांग्रेस के बहुत कम बड़े नेताओं को संभालने की जरूरत है। समस्या यह है कि संभालने के लिए संगठन ही लगभग नहीं बचा है। मोहन के लिए काम लगभग शून्य से संगठन को फिर खड़ा करने का है।

यह फेरबदल दिखाता है कि कांग्रेस अब अपनी संगठनात्मक टीम को किस नजर से देख रही है। पायलट को एक परीक्षा दी गई है, सुरजेवाला को बड़े भरोसे का संकेत मिला है और बघेल को नई शुरुआत का मौका दिया गया है, जबकि भगत, प्रसाद और मोहन को बड़ी जिम्मेदारियों की ओर आगे बढ़ाया जा रहा है। लेकिन इन सभी नेताओं की वास्तविक उपयोगिता इस बात पर निर्भर करेगी कि हाईकमान उन्हें कितनी स्वतंत्रता और अधिकार देने के लिए तैयार है।

राहुल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी दौरे की तैयारियां चल रही थीं और बघेल इन तैयारियों की सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे थे। लेकिन अब उन्हें हटा कर हाईकमान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतिम फैसला लेने का अधिकार केवल उसी के पास है। इस कदम से चन्नी खेमे को यह संदेश भी दिया गया है कि बर्दाश्त करने की एक सीमा होती है तथा इसलिये उसकी हर बात को अनिश्चित समय तक सहन नहीं किया जाएगा। बघेल को हटाकर हाईकमान ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि राजा वड़िंग का पद भी अब पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। इससे ये अटकलें शुरू हो गई हैं कि क्या राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले एक और बड़ा फेरबदल हो सकता है? पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह संभव है कि राजा वड़िंग को दिल्ली बुलाया जाए और वहां उन्हें कोई विशेष जिम्मेदारी दे दी जाए।

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/21 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	आयु (31.08.2026 तक) अधिकतम
ग्रुप सीआईएसओ (मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी)	1	57 वर्ष

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया **"CONTACT US"→"Post Your Query"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट **(https://sbi.bank.in/web/careers/ post-your-query)** पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 04.09.2026 से 24.09.2026 तक.**

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04.09.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

*Applicable T&C available at your nearest dealership. Ex-showroom price ₹13 99 900 for Grand Vitara Aspirion Edition, exclusively available in the Zeta (O) and Alpha (O) variants. Creative visualisation. Images used are for illustration purposes only. Features and accessories shown may not be part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Offers may vary and are subject to availability of stock. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue an offer without further notice. Finance options available at the sole discretion of financier.

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. **RAJHIN/2008/27147** **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालौर कार्यालय :-** प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422-23, जालौर। फैक्स: 02973-226424 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906-07, फैक्स: 01562-256908